■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 112 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 16-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार में महागठबंधन की 'खिचड़ी' नहीं पकी : केशव प्रसाद मौर्य

6 मेजर सचिन नेगी : पुलवामा का शेर, जिसके पराक्रम से हुए कई आतंकवादी ढेर

7 कनाडा के साथ एफटीए वार्ता दोबारा शुरू करने पर सभी विकल्प खुले : पीयूष गोयल

फर्स्ट टेक

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बीबीसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे

लंदन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह बीबीसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का इरादा रखते हैं, जबकि ब्रिटेन के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता (बीबीसी) ने पिछले साल प्रसारित एक समाचार वृत्तचित्र के लिए उनके भाषण को संपादित करने के तरीके को लेकर उनसे माफी मांगी थी। ट्रंप ने शनिवार को 'एयरफोर्स वन' (अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष विमान) में संवाददाताओं से कहा, ''हम उन पर मुकदमा करेंगे। हम उन पर एक अरब से पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक का मुकदमा करेंगे, संभवतः अगले सप्ताह किसी समय।'' उन्होंने कहा, ''हमें यह करना ही होगा, उन्होंने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने (बीबीसी ने) धोखाधड़ी की है। उन्होंने मेरे मुंह से निकले शब्द बदल दिए।''

कोडागु में कार में मिला महिला का शव

मेदिकेरी। कर्नाटक में कोडागु जिले की मालदारे-लिंगापुरा जांच चौकी पर वन विभाग के कर्मियों ने वाहनों के नियमित निरीक्षण के दौरान कार से एक महिला का शव बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि महिला की पहचान नानकी देवी (45) के रूप में हुई, जो हरियाणा की रहने वाली थी और अपने पति के साथ मैसुरु में रहती थी। सिद्धपुर थाने के निरीक्षक मंजूनाथ ने घटना स्थल का दौरा किया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने कार सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। संदेह है कि कार से महिला का शव ले जाया जा रहा था। सिद्धपुरा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री ने निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का निरीक्षण किया

सूरत/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा के लिए गुजरात के सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। प्रधानमंत्री सुबह सूरत हवाई अड्डे पर उतरे और अंत्रोली क्षेत्र पहुंचे, जहां बुलेट ट्रेन स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत की और कार्यों की समीक्षा की। एमएएचएसआर भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर' लगभग 508 किलोमीटर लंबा है। इसमें 352 किलोमीटर हिस्सा गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में तथा 156 किलोमीटर हिस्सा महाराष्ट्र में आता है।

16-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 17-11-2025 सूर्योदय 6:19 बजे

BSE	NSE
84,562.78	25,910.05
(+84.11)	(+30.90)

सोना	चांदी
12,878 रु.	159,605 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी ही आजादी

दल वालों को दूजे दल में,
आने-जाने की आजादी।
भ्रष्टों के मुंह में खून लगा,
उनको खाने की आजादी।
नेताओं को बस येनकेन,
सत्ता पाने की आजादी।
हो भले बेसुरी राग मगर,
सबको गाने की आजादी।।

भ्रष्टाचार का खात्मा भाषण से नहीं, व्यवस्था में परिवर्तन लाकर ही संभव : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारतीय जनता पार्टी अन्य पार्टियों की तरह जाति, पंथ या धर्म के आधार पर राजनीति नहीं करती। हम देश की सुरक्षा, गौरव, संस्कृति और विकास कार्यों के लिए राजनीति करते हैं।

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए शनिवार को कहा कि भ्रष्टाचार का खात्मा भाषण से नहीं, व्यवस्था में परिवर्तन लाकर, अंकुश लगाकर ही संभव हो सकता है और सिर्फ प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार खत्म करके दिखाया है। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदर छावनी स्थित संस्कृत विद्यालय के सभागार में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध वर्ग से संवाद करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने की बात सब करते हैं, लेकिन इसे रोकने के लिए वास्तविक प्रयास किसी ने किया तो वह प्रधानमंत्री मोदी ने किया।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। कार्यकर्ताओं के प्रयास और मेहनत से बिहार में शानदार जीत हासिल हुई है।

सिंह ने कहा, भारतीय जनता पार्टी अन्य पार्टियों की तरह जाति, पंथ या धर्म के आधार पर राजनीति नहीं करती। हम देश की सुरक्षा, गौरव, संस्कृति और विकास कार्यों के लिए राजनीति करते हैं।

उन्होंने कहा, जनता ने देखा कि बिहार की सरकार में भ्रष्टाचार नहीं है और इस भरोसे के कारण उन्हें बिहार की सत्ता सौंप दी गई।'' राजनाथ सिंह ने कहा कि इस बार जनता ने बिहार में राजग को प्रचंड बहुमत दिया है और यह सफलता 2027 में उत्तर प्रदेश में भी दोहराई जाएगी। रक्षा मंत्री ने विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, पूर्ववर्ती सरकारों में दी जाने वाली सहायता राशि पूरी तरह लाभार्थियों तक नहीं पहुंचती थी और 100 में से लगभग 85 रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते थे। लेकिन हमारी सरकार ने फैसला किया कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति का खाता खोला जाएगा। अब 100 का 100 पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है।

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में निर्मित मिसाइल और हथियारों की पूरी दुनिया में मांग है। उन्होंने कहा, जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में करिश्मा दिखाया, वह हमारे लखनऊ में बनी है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने छावनी विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए रक्षामंत्री का आभार व्यक्त किया।

सनातन विचार ही है एकात्म मानव दर्शन : डॉ. मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सनातन विचार को देश, काल और स्थिति के अनुसार एकात्म मानव दर्शन का नया नाम देकर लोगों के समक्ष रखा। उन्होंने यह भी कहा कि यह विचार नया नहीं है, किंतु 60 वर्ष बाद भी वर्तमान समय में यह एकात्म मानव दर्शन पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है।

एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. भागवत ने कहा कि एकात्म मानव दर्शन को एक शब्द में समझना हो तो वह शब्द है धर्म। उन्होंने स्पष्ट किया, ''इस धर्म का अर्थ केवल मजहब, मत, पंथ या संप्रदाय नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है सबका गंतव्य समझने वाला धर्म। वर्तमान समय में दुनिया को इसी एकात्म मानव दर्शन के धर्म के अनुसार चलना होगा।''

आयोजकों के अनुसार, सरसंघचालक ने कहा, ''भारत में पिछले कई दशकों में रहन-सहन, खानपान और वेशभूषा बदल गई है, किंतु सनातन विचार नहीं बदला। यही सनातन विचार एकात्म मानव दर्शन है, जिसका आधार यह है कि सुख बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही होता है। जब हम अंदर का सुख देखते हैं, तब समझ आता है कि पूरा विश्व एकात्म है। इस एकात्म मानव दर्शन में अतिवाद की कोई जगह नहीं है।''

शरीर, मन, बुद्धि की सत्ता की बात करते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता की भी मर्यादा है। उन्होंने कहा, ''सबका हित साधते हुए अपना विकास करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। पूरे विश्व में कई बार आर्थिक उठापटक होती रही है, लेकिन भारत पर इसका असर सबसे कम होता है क्योंकि भारत के अर्थतंत्र का आधार परिवार व्यवस्था है।'' उन्होंने विज्ञान की प्रगति की ओर इशारा करते हुए कहा कि विज्ञान की मदद से भौतिक सुविधाओं का जीवन तो संपन्न हो रहा है, लेकिन क्या इससे मनुष्य के मन में शांति और संतोष भी बढ़ रहा है।

जम्मू कश्मीर के नौगाम थाने में

जब्त विस्फोटकों के नमूने लेते समय विस्फोट

नौ लोगों की मौत, 32 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/नई दिल्ली/भाषा। श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाने में ''दुर्घटनावश'' विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि यह आतंकवादी हमला नहीं था। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रशांत लोखंडे ने बताया कि यह घटना तब हुई जब एक विशेष टीम एक सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद से जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े जखीरे से नमूने ले रही थी।

प्रभात और लोखंडे ने क्रमशः श्रीनगर और नयी दिल्ली में मीडिया के समक्ष एक तरह के बयान में आतंकवादी हमले की अटकलों को खारिज किया और इस बात पर जोर दिया गया कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना थी। दोनों अधिकारियों ने पत्रकारों के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया और विस्फोट के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

विस्फोट शुक्रवार रात 11 बजकर 20 मिनट के आसपास हुआ जब एक विशेष टीम एक सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद से जब्त किए गए विस्फोटकों के एक ''बड़े और खतरनाक'' जखीरे से नमूने ले रही थी।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई छह दिसंबर तक स्थगित

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र में ठाणे जिले की एक अदालत ने आरएसएस के एक स्वयंसेवक द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मामले की सुनवाई शनिवार को छह दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। भिवंडी के संयुक्त दीवानी न्यायाधीश, जूनियर डिवीजन, पी एम कोलसे वर्तमान में मामले की सुनवाई कर रहे हैं। शनिवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया तो शिकायतकर्ता राजेश कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने एक अर्जी देकर निजामपुरा पुलिस थाने के निरीक्षक अशोक सायकर से गवाह के रूप में पूछताछ करने की अनुमति मांगी। अदालत ने निजामपुरा पुलिस को मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। निरीक्षक ने जांच रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत कर दी, और शिकायतकर्ता के वकील इस संबंध में अधिकारी से जिरह करना चाहते थे। मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर के लिए निर्धारित की गई है।

अल फलाह विश्वविद्यालय पर प्राथमिकी दर्ज

दो डॉक्टरों समेत तीन लोग हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास हुए विस्फोट के सिलसिले में हरियाणा के अल फलाह विश्वविद्यालय के दो डॉक्टरों समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा ध्यान दिलायी गयी कथित अनियमितताओं को लेकर संस्थान के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। लोगों को हिरासत में लिया जाना और नए आपराधिक मामले दर्ज किया जाना लाल किला के पास हुए विस्फोट की बहु-एजेंसी जांच तथा विश्वविद्यालय से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियां सामने आने के बीच हुए हैं। इस विस्फोट में 13 लोगों की जान चली गई थी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा नियामक उल्लंघनों की बातें उठाये जाने के बाद अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में दो प्राथमिकियां दर्ज की हैं। इससे पहले, यूजीसी और एनएएसी ने विश्वविद्यालय के कामकाज में बड़ी अनियमितताएं' उजागर कीं। पुलिस का एक दल ने शनिवार को विश्वविद्यालय के ओखला कार्यालय का दौरा किया और जांच के दायरे में आए लोगों से जुड़ी जानकारी हासिल की।

पुलिस ने अल-फलाह विश्वविद्यालय के दो डॉक्टरों - मोहम्मद और मुस्तकीम - को भी हिरासत में लिया, जो सोमवार को लाल किले के पास हुए विस्फोट से संबद्ध हुंडई आई20 कार के चालक डॉ. उमर नबी को जानते थे।

अधिकारियों ने बताया कि विशेष शाखा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा शुक्रवार देर रात धौज, नूंह और आसपास के इलाकों में की गई समन्वित छापेमारी के दौरान इन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

मंत्रिमंडल फेरबदल

सिद्दरामय्या, शिवकुमार पर सबकी निगाहें

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा के बीच राजनीतिक पर्यवेक्षक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की नयी दिल्ली यात्रा पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस के दोनों प्रभावशाली नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से मुलाकात की और उनसे चर्चा की। एक पखवाड़े पहले मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि उन्होंने दिल्ली के अपने दौरे के दौरान मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा के लिए राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, अगर मुझे चर्चा का अवसर मिला तो मैं दिल्ली में ही रुकूंगा या 15 नवंबर की रात को वापस आऊंगा। सिद्दरामय्या ने यह भी कहा था कि वह बिहार विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी आलाकमान के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा करेंगे।

आतंकवाद के खतरे पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू कश्मीर के नौगाम थाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मौत पर शनिवार को दुख जताया और कहा कि आतंकवाद के खतरे पर चर्चा के लिए तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने की जरूरत है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यह सुनकर बहुत दुःख हुआ कि जम्मू कश्मीर के नौगाम में एक थाने में हुए विस्फोट में 9 लोगों की जान चली गई और 24 लोग घायल हो गए। मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि घायलों का शीघ्र इलाज किया जाना चाहिए और पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए। खरगे ने कहा, यह घटनाक्रम दिल्ली में लाल किले के पास हुए कायराना आतंकवादी हमले के कुछ दिनों बाद हुआ है और यह केंद्र सरकार के लिए खुफ़िया तंत्र और आतंकवाद-रोधी तंत्र को मज़बूत करने के लिए एक चेतावनी भी है। वह जवाबदेही से नहीं भाग सकती।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस आतंकवाद के अभिशाप के विरुद्ध राष्ट्र के साथ एकजुट है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा, हाल ही में लाल किले के पास हुए आतंकवादी हमले के मद्देनज़र उस आतंकवाद के बढ़ते खतरे पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की तत्काल आवश्यकता है, जिसे बाहरी ताकतों से लगातार समर्थन मिल रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी नौगाम विस्फोट में लोगों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने एक्स' पर पोस्ट किया, जम्मू कश्मीर के नौगाम पुलिस थाने में हुए विस्फोट में कई सुरक्षाकर्मियों की मृत्यु और अनेक का घायल होना बहुत ही पीड़ादायक और चिंताजनक है।

राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' जनवरी 2027 में रिलीज होगी

हैदराबाद/भाषा। फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने शनिवार को यहां रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित कार्यक्रम में घोषणा की कि उनकी अगली फिल्म का नाम 'वाराणसी' होगा। इस अवसर पर फिल्म में मुख्य किरदार निभाने वाले महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनास और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मौजूद थे। महेश बाबू के साथ राजामौली की यह पहली फिल्म है। प्रियंका भी 2021 में आई द स्काई इज पिंक के बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। महेश बाबू ने कहा कि पूरे देश को इस फिल्म पर गर्व होगा, जिसमें वह नायक रुद्र की भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर आदिवासी समुदाय की उपेक्षा करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जब भी देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की बात आई, हमारा आदिवासी समुदाय सबसे आगे खड़ा रहा। हमारा स्वतंत्रता संग्राम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

डेडियापाड़ा (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासियों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया है, लेकिन कांग्रेस ने कभी उनके योगदान को मान्यता नहीं दी और अपने 60 साल के शासन के दौरान इस समुदाय की उपेक्षा की। मोदी ने कहा कि आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को नजरअंदाज किया गया ताकि इसका श्रेय ''कुछ परिवारों'' को दिया जा सके।

प्रधानमंत्री गुजरात के नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा शहर में जनजातीय गौरव दिवस पर आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन से पहले, प्रधानमंत्री ने 9,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

मोदी ने कहा, ''जब भी देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की बात आई, हमारा आदिवासी समुदाय सबसे आगे खड़ा रहा। हमारा स्वतंत्रता संग्राम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आदिवासी समुदाय से अनगिनत स्वतंत्रता सेनानी निकले और उन्होंने आजादी की मशाल को आगे बढ़ाया।'' गुजरात के गोविंद गुरु, रूपसिंह नायक और मोतीलाल तेजावत जैसे आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अनगिनत अध्याय आदिवासी गौरव और वीरता के उदाहरणों से भरे पड़े हैं। मोदी ने दावा किया कि आदिवासी समुदाय ने आजादी के लिए अपना खून बहाया, लेकिन उनके योगदान को नजरअंदाज कर दिया गया, ताकि इसका श्रेय ''कुछ परिवारों'' को दिया जा सके। उन्होंने कहा, हम स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समुदायों के योगदान को नहीं भूल सकते और यह काम (उसे मान्यता देने का) स्वतंत्रता के बाद किया जाना चाहिए था। लेकिन कुछ परिवारों को स्वतंत्रता का श्रेय देने की खातिर, मेरे आदिवासी भाइयों-बहनों के त्याग और समर्पण को नजरअंदाज कर दिया गया।

मोदी ने कहा कि इसी रवैये के कारण 2014 से पहले भगवान बिरसा मुंडा को कोई याद नहीं करता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के जरिये, आदिवासी भाइयों-बहनों के साथ हुए ''अन्याय'' को याद किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, देश पर छह दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया।

सहज स्मृति योग

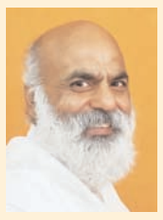

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, भविष्य में क्या धर्म, मज़हब रिलीजन में विद्वेष बढ़ेगा?

उत्तर: तात्विक दृष्टि में न भूतकाल का अस्तित्व होता है और न भविष्य काल का। तत्वदर्शी दृष्टि शाश्वत वर्तमान देखती है इसलिए भविष्यवाणी करना तात्विक दृष्टि से तो अर्थहीन ही हो जाता है। जैसे वर्तमान में उनके प्रयास सर्वत्र विवेक बनाए रखने के होते हैं वैसे ही उनकी वाणियाँ भविष्य निर्माण करने की दृष्टि से की गई मंगल कामनाएं होती हैं इसलिए कोई भी तत्व दृष्टा तो यही कहेंगे कि समरसता ही बढ़ेगी विद्वेष नहीं। किंतु, ज्योतिष शास्त्री और समाजशास्त्री इसी प्रश्न के उत्तर को अपनी शास्त्र गणना के अनुसार कुछ दूसरी तरह से प्रस्तुत करें तो आपको आश्चर्य चकित भी नहीं होना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अंतिम सांसें ले रहा : मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को कहा कि राज्य में नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है और सरकार 31 मार्च 2026 तक देश से इस खतरे को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'जनजातीय गौरव दिवस' पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के अंत के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा।

उन्होंने कहा, नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। नक्सली बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं। हमने एक प्रभावी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति शुरू की है और इसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। दिसंबर 2023 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से पिछले लगभग दो वर्षों में दो हजार से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। साय ने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर रही है और उन्हें रोजगार से जोड़ा जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि के तीन वर्षों तक उन्हें प्रति माह 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सबसे अधिक प्रभावित राज्य था, लेकिन डबल इंजन वाली सरकार की बदौलत हमारे सुरक्षा बल पूरी तैयारी के साथ इस समस्या का मुकाबला कर रहे हैं। यह संकल्प अवश्य पूरा होगा और इसके बाद बस्तर में तेजी से विकास होगा।'' बस्तर क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए साय ने कहा कि नियद नेल्लानार योजना' के तहत 327 गांवों तक विकास पहुंचा है। इन गांवों में सड़क संपर्क, बिजली व पानी की आपूर्ति, स्कूल, अस्पताल, राशन वितरण सुविधाएं और दूरसंचार नेटवर्क उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, जहां अपार संभावनाएं हैं। नई उद्योग नीति के तहत पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है।

नौगाम पुलिस थाने में विस्फोट में मारे गए नौ व्यक्तियों को मनोज सिन्हा ने दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम पुलिस थाने में हुए आकस्मिक विस्फोट में मारे गए नौ व्यक्तियों को शनिवार को श्रद्धांजलि दी। घटना में 32 व्यक्ति घायल भी हुए हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि सिन्हा ने यहां पुलिस नियंत्रण कक्ष में उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) महानिदेशक सदानंद दाते, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात, सेना की 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव और प्रशासन, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों एवं एजेंसियों के अन्य अधिकारियों ने भी शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि दी। मृतकों में छह पुलिसकर्मी शामिल हैं – राज्य अन्वेषण अभिकरण के इंस्पेक्टर इसरार अहमद शाह, चयन ग्रेड कांस्टेबल जावेद मंसूर राठेर और अर्शीद अहमद शाह (दोनों अपराध शाखा के फोटोग्राफर), चयन ग्रेड कांस्टेबल एजाज अफजल मीर और कांस्टेबल मोहम्मद अमीन मीर और शौकत अहमद भट (तीनों फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में कार्यरत थे)। नायब तहसीलदार मुजफ्फर अहमद खान, क्षेत्र के चौकीदार सुहैल अहमद राठेर, तथा दर्जी मोहम्मद शफी पार्रे भी इस आकस्मिक विस्फोट में मारे गए।

अदाणी विजिंझम बंदरगाह में कंटेनर-क्रेन संचालन में महिलाओं की बराबर हिस्सेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। अदाणी विजिंझम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (एवीपीपीएल) ने बताया कि बंदरगाह में कंटेनर संचालन और क्रेन संचालन में लगे कर्मचारियों में कम से कम आधी महिलाएं हैं। एवीपीपीएल के प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि डॉक पर स्थित कार्यालय से पूरी तरह स्वचालित संचालन के माध्यम से कंटेनरों की आवाजाही संभालने वाले लगभग 20 कर्मचारियों में वर्तमान में नौ महिलाएं हैं और एक अन्य महिला जल्द ही शामिल होगी। ये सभी पालियों में काम करती हैं और जॉयस्टिक के जरिए संचालन करती हैं।

उन्होंने कहा कि अदाणी पोर्ट्स एवं विशेष आर्थिक क्षेत्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का विकास और स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल स्थानीय महिलाओं के लिए एक अवसर साबित हुआ है। अरब सागर के किनारे स्थित इस बंदरगाह ने उनके लिए असामान्य अवसर खोले हैं, क्योंकि महिलाएं जॉयस्टिक का उपयोग करके विशाल क्रेन आसानी से चला सकती हैं और कंटेनर में लदान कर सकती हैं। विजिंझम की रहने वाली सुनीता राज एल ने कहा, ''डिप्लोमा कोर्स पूरा करने के बाद मुझे अपने ही शहर में अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर काम करने का अवसर मिला।'' उन्होंने यह बात पूरी तरह स्वचालित प्रणाली के माध्यम से कंटेनरों को संभालते हुए कही। सुनिता ने कहा, ''हमें यहां पालियों में काम करने या अपना सर्वश्रेष्ठ देने में कोई कठिनाई नहीं हो रही है।'' उनकी सहकर्मी स्टेफी ने भी समान विचार व्यक्त किए। पाली प्रबंधक नंद कुमार के अनुसार, ''महिलाएं यार्ड क्रेन संचालन में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हैं। उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें कंटेनर संचालन में अगले स्तर पर बढ़ाया भी जा रहा है।''

बिहार में राजग की जीत पर सवाल उठाने वालों पर फडणवीस का पलटवार, कहा- 'जो जीता वही सिकंदर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बिहार में राजग की जीत के बाद विपक्षी दलों द्वारा की जा रहीं आलोचनाओं पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि जो जीता वही सिकंदर। उन्होंने विपक्ष को हार को स्वीकार करने, अपनी गलतियों को पहचानने और आत्ममंथन करने की नसीहत दी। भारतीय जनता पार्टी और जद(यू) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शुक्रवार को बिहार में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अन्य दलों के महागठबंधन को करारी शिकस्त देते हुए राज्य में सत्ता बरकरार रखी।

बारामती में शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने सवाल उठाया कि निर्वाचन आयोग ने बिहार में चुनाव प्रक्रिया के दौरान पैसों का वितरण कैसे होने दिया। वह मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का जिक्र कर रहे थे, जिसके तहत प्रत्येक परिवार की महिला सदस्य को व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। पवार ने कहा, निर्वाचन आयोग को यह सोचने की आवश्यकता है कि बिहार सरकार की ओर से किया गया पैसे का वितरण सही था या नहीं।

पत्रकारों ने जब एक कार्यक्रम के दौरान फडणवीस से पवार के बयान के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, ऐसा है कि जो जीता वही सिकंदर। हार के बाद परिणाम स्वीकार करना चाहिए, अपनी गलतियों को पहचानना चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए।

आंध्र प्रदेश को दो दिनों में ऊर्जा क्षेत्र में 5.2 लाख करोड़ रुपये के निवेश का भरोसा मिला : मंत्री

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री जी रवि कुमार ने कहा कि राज्य को केवल दो दिनों में ऊर्जा क्षेत्र में 5.2 लाख करोड़ रुपये के निवेश का भरोसा मिला। इससे 2.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर तैयार होने की उम्मीद है। एक बयान में कहा गया कि ये आश्वासन 13 और 14 नवंबर को विशाखापत्तनम में 30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के दौरान मिले। इनमें नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, पंप भंडारण, जैव ईंधन, विनिर्माण और हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

कुल निवेशों में 2.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के निवेश सौदों पर 13 नवंबर को हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा 2.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के समझौतों को 14 नवंबर को अंतिम रूप दिया गया। शिखर सम्मेलन के दौरान कौशल विकास निगम ने राज्य की क्वांटम प्रौद्योगिकी प्रतिभा को मजबूत करने के लिए वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम, उद्यमिता एवं अनुसंधान (वाइजर), क्यूबिटेक स्मार्ट सॉल्यूशंस के साथ साझेदारी की है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे आंध्र प्रदेश के 50,000 से अधिक शिक्षार्थियों को लाभ होगा।

नायडू ने शिखर सम्मेलन के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये श्री सिटी में पांच औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन किया। उन्होंने 2,300 करोड़ रुपये से अधिक की 12 अन्य परियोजनाओं के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए। इस दौरान आंध्र प्रदेश सरकार और विश्व आर्थिक मंच ने ऊर्जा एवं साइबर लचीलापन केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

नौगाम पुलिस थाना विस्फोट में मारे गए दर्जी अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए

श्रीनगर/भाषा। मोहम्मद शफी पर्रे शुक्रवार सुबह अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमाने की उम्मीद में घर से निकले और हाल ही में पकड़े गए एक सफेदपोश'' आतंकी मॉड्यूल से जब्त विस्फोटकों के नमूने इकट्ठा करने में पुलिस जांचकर्ताओं की मदद की, लेकिन 47 वर्षीय पर्रे को जरा भी अंदाजा नहीं रहा होगा कि यह उनका आखिरी दिन है। नौगाम पुलिस थाने में नमूने एकत्र करने के दौरान हुए विस्फोट में पर्रे समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पेशे से दर्जी पर्रे अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। वह अपने परिवार में अकेले कमाने वाले थे। एक कर्तव्यनिष्ठ पारिवारिक व्यक्ति पर्रे धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते थे। वह शुक्रवार सुबह जांचकर्ताओं के साथ शामिल हुए और दिन के अधिकतर समय नौगाम पुलिस स्टेशन में ही रहे। वह जुमे की नमाज और रात के खाने के लिए घर लौटे।

शाम को, पर्रे ने सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़े पहने और हरियाणा के फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक सामग्री के बचे हुए नमूने इकट्ठा करने में जांचकर्ताओं की मदद करने के लिए घर से निकल पड़े। जब वह घर से निकले, तो उनकी पत्नी, बेटी और दो बेटों ने कभी नहीं सोचा था कि वे पर्रे को आखिरी बार देख रहे हैं। पर्रे के पड़ोसियों ने बताया कि जब परिवार ने विस्फोट के तुरंत बाद उनके बारे में पूछताछ की, तो पुलिस ने उन्हें बताया कि दर्जी को विस्फोट में चोटें आई हैं। हालांकि, शनिवार तड़के, पुलिस ने परिवार को बताया कि पर्रे की चोटों के कारण मृत्यु हो गई है, और उनसे शव की पहचान करने को कहा। जैसे ही पर्रे की मौत की खबर फैली, रिश्तेदार और स्थानीय लोग उनके घर पर जमा हो गए, जहां से दूर-दूर तक रोने की आवाजें सुनाई दे रही थीं।

आदिवासी नायकों के इतिहास को पहले जानबूझकर नजरअंदाज किया गया : देवेंद्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकारों पर निशाना साधते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों की भूमिका को इतिहास की किताबों में जानबूझकर नजरअंदाज किया गया।

आदिवासी अधिकार नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समुदाय के जल, जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। फडणवीस ने आदिवासी सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद कहा, हमारे स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले आदिवासी नायकों को जानबूझकर इतिहास से दूर रखा गया ताकि आम लोग उनके बारे में न जान सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समुदाय के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं और वन भूमि के पट्टे (स्वामित्व अधिकार) आवंटित कर रही है। उन्होंने अन्य कल्याणकारी पहलों के अलावा आदिवासी आश्रम शालाओं के शुभारंभ और आदिवासी छात्रावासों में प्रवेश न पाने वाले आदिवासी छात्रों के लिए 60,000 रुपये की सहायता का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने आदिवासी छात्रों के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं ताकि वे प्रतिष्ठित स्कूलों में पढ़ाई कर सकें और आदिवासी महिलाओं को सशक्त बना सकें। हम आदिवासी गांवों में सड़कों का नेटवर्क बना रहे हैं और राज्य तथा केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने राज्य जनजातीय विकास विभाग द्वारा शुरू की गई आश्रम शाला डिजिटलीकरण और जनजातीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा योजनाओं की सराहना की। फडणवीस ने कहा, आजादी के अमृत महोत्सव के पर प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदाय के अपार योगदान पर प्रकाश डाला था। हालांकि, हमारे आदिवासी नायकों को जानबूझकर इतिहास से दूर रखा गया। प्रधानमंत्री ने देश भर में ऐसे नायकों की पहचान करने और किताबें लिखकर उनके इतिहास को उजागर करने, उनकी मूर्तियां और स्मारक बनाने का आह्वान किया है। राज्य सरकार ने पुस्तकों के माध्यम से आदिवासी प्रतीकों के इतिहास को सामने लाया है।

उड़िया गायक ह्यूमेन सागर को अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालत गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। लोकप्रिय उड़िया गायक ह्यूमेन सागर को लिवर काम न करने के कारण एम्स, भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर है। यह जानकारी चिकित्सा संस्थान द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। बयान के अनुसार, 36 वर्षीय गायक शुक्रवार को अस्पताल आए थे और जांच में पाया गया कि उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया और लिवर न काम करने के बाद, निमोनिया समेत अन्य समस्याएं पाई गईं। बयान के अनुसार, वह वर्तमान में गंभीर रूप से बीमार हैं और वेंटिलेटर पर हैं।

बीजू दल दल (बीजेडी) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सागर के अस्पताल में भर्ती होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में कहा, उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

केरल ट्रैवल मार्ट सोसाइटी ने पर्यटकों को ऑनलाइन होटल बुकिंग धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। देश की प्रमुख पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग संस्था केरल ट्रैवल मार्ट (केटीएम) सोसाइटी ने खासकर कोच्चि और कुमाराकोम में कुछ प्रमुख ट्रैवल एजेंसी वेबसाइट से जुड़े मामलों का हवाला देते हुए राज्य में यात्रा करने वालों को शनिवार को आगाह किया कि वे ऑनलाइन धोखेबाजों से सतर्क रहें।

केटीएम के अध्यक्ष जोस प्रदीप ने पर्यटन सीजन की शुरुआत के मद्देनजर एक बयान में, छुट्टियां मनाने आए विदेशी और घरेलू पर्यटकों से अपील की कि वे अत्यधिक सतर्क रहें क्योंकि पर्यटन सीजन की शुरुआत हो चुकी है। प्रदीप के अनुसार, धोखेबाज पहले से ही कमरा बुक कर चुके मेहमानों को अपना निशाना बना रहे हैं, और खासकर कोच्चि और कुमाराकोम जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर फोन या लिखित संदेश के माध्यम से उन्हें गुमराह करने या वसूली करने की कोशिश कर रहे हैं। केटीएम सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि धोखेबाज मेहमानों को अग्रिम भुगतान करने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं और जो लोग इनकार करते हैं, उन्हें बुकिंग रद्द करने की धमकी दी जाती है या उच्च श्रेणी के कमरे के लिए तुरंत भुगतान करने के लिए दबाव डाला जाता है। बयान में यह भी कहा गया है कि साल 2000 में स्थापित केटीएम राज्य के पर्यटन क्षेत्र में प्रमुख हितधारकों की सबसे बड़ा संस्था है।

नवी मुंबई के व्यवसायी से फर्जी क्रिप्टोकरेंसी सौदे में 3.5 लाख रुपये की ठगी

ठाणे। नवी मुंबई के 29 वर्षीय एक व्यवसायी को क्रिप्टोकरेंसी बेचने का झांसा देकर चार व्यक्तियों ने कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार को तुर्भे एमआईडीसी में हुई, जहां चार आरोपियों में से दो आरोपियों विशाल और कबीर ने शिकायतकर्ता को क्रिप्टो टोकन लेने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया, जब शिकायतकर्ता मौके पर पहुंचा तो पुलिस की वर्दी पहने दो अज्ञात व्यक्ति एक कार में आए। उन लोगों ने शिकायतकर्ता के पास मौजूद पैकेट (जिसमें 3.5 लाख रुपये थे) की जबरन जांच की और उसे छीन लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी तुरंत मौके से फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि संबंधित प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और इस मामले में जांच की जा रही है।

सही शासन ही सही राजनीति है : बिहार में राजग की शानदार जीत पर नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संयोजक एन चंद्रबाबू नायडू ने बिहार में राजग को मिली प्रचंड जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार को दिल खोलकर प्रशंसा की और कहा कि इससे साबित होता है कि सही शासन ही सही राजनीति है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष नायडू ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कल्याण, विकास और सुशासन के जरिये सशक्तीकरण का एक नया मॉडल पेश किया है।

शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा के बाद यह राजग नेतृत्व की ओर से पहली टिप्पणी है। नायडू विशाखापत्तनम में राज्य के निवेश शिखर सम्मेलन से इतर पीटीआई-भाषा' से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद से लगातार चुनाव जीत रहे हैं और वह

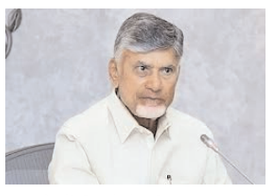

जानते हैं कि कैसे संवाद करना है, कैसे लोगों को साथ लेकर चलना है और कैसे काम करना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा की 202 सीट पर जीत दर्ज की, जिनमें से सबसे ज्यादा 91 सीट भाजपा के खाते में गईं। सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बावजूद, भाजपा के अपना चुनावी वादा निभाने और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर बरकरार रखने की संभावना है। जीत में नीतीश की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने कहा कि चुनाव में मतदाताओं ने बिहार के मुख्यमंत्री की नीतियों और शासन को भी मान्यता दी है।

उन्होंने कहा, बिहार में पहले जंगल राज' था, यह तो सभी जानते हैं। वह (नीतीश) इसे खत्म करने में कामयाब रहे। नीतीश कुमार – जो उन्होंने किया है और जो कर रहे हैं – तथा नरेन्द्र मोदी – जो कर रहे हैं – इन चुनावों ने उन दोनों के ही काम को मान्यता दी है। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य विधानसभाओं में भाजपा की बढ़ती ताकत (महाराष्ट्र के बाद बिहार चुनाव में शानदार प्रदर्शन के मद्देनजर) राजग में अन्य गठबंधन सहयोगियों की भूमिका को कम कर देगी, नायडू ने कहा, नहीं, मैं इन सब बातों के बारे में नहीं सोचना चाहता। राजग जीता है। वे फैसले लेने और उन्हें आगे ले जाने में सक्षम हैं।

पुलिस ने लाल किला विस्फोट में शामिल कार के पास खड़ी गाड़ियों का पता लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लाल किले के निकट हुए विस्फोट से पहले की घटनाओं के सटीक क्रम का पता लगाने का प्रयास करते हुए जांचकर्ताओं ने उस पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन की एक विस्तृत सूची तैयार की है, जहां विस्फोट में शामिल कार तीन घंटे तक खड़ी रही थी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने सुनहरी मस्जिद पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन का विस्तृत विवरण तैयार किया है, जहां विस्फोट हुआ था। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता इन वाहनों की पंजीकरण संख्या का पता लगा रहे हैं और इनके चालकों एवं मालिकों से इस बारे में पूछताछ कर रहे हैं कि क्या उन्होंने हरियाणा में पंजीकृत उस हुंदै आई20 को देखा था जो विस्फोट में शामिल थी। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में शामिल कार के चालक डॉ. उमर नबी ने सोमवार को जब उसे पार्किंग स्थल में खड़ा किया था तब उसके आस-पास कई गाड़ियां खड़ी थीं।

एक सूत्र ने कहा, उस समय वहां मौजूद हर वाहन चालक का पता लगाया जा रहा है ताकि यह मालूम हो सके कि क्या उन्होंने एचआर-26 कार देखी थी, उसमें कितने लोग थे और क्या उमर के साथ कोई और भी था। एक अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने चालकों को उमर की तस्वीर दिखाई ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह कार में अकेला था या पार्किंग क्षेत्र में तीन घंटे तक रहने के दौरान कोई और भी वाहन में आया या उससे बाहर निकला था। अधिकारी ने बताया कि इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि उन तीन घंटों के दौरान वास्तव में क्या हुआ था।

बेंगलूरु में 'वोट चोरी' मार्च के दौरान 70 युवा कांग्रेस प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब सहित 70 लोगों को शनिवार को पुलिस ने उस समय एहतियाती हिरासत में लिया, जब वे कथित वोट चोरी और चुनावी अनियमितताओं पर जवाबदेही की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग के कार्यालय की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे थे। कर्नाटक प्रदेश युवा कांग्रेस समिति (केपीवाईसीसी) के सदस्यों ने भाजपा विरोधी नारे-भाजपा मुर्दाबाद और वोट चोर गद्दी छोड़ लगाते हुए फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया और विभिन्न राज्यों में चुनावों में बड़े पैमाने पर वोट चोरी का आरोप लगाया।

यह प्रदर्शन कांग्रेस द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर वोट चोरी का आरोप लगाने के एक दिन बाद हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों की गहन समीक्षा करने की प्रतिबद्धता जतायी थी और कहा था कि हम ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सकते जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था।

यहां 'फ्रीडम पार्क' में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, आईवाईसी प्रभारी मनीष शर्मा, केपीवाईसीसी अध्यक्ष मंजूनाथ गौड़ा ने किया तथा इसमें श्रम मंत्री संतोष लाड, राज्यसभा सदस्य जी सी चंद्रशेखर सहित कर्नाटक के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारी कथित अनियमितताओं की जांच और चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपने के लिए बेंगलूरु स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च भी करेंगे। कांग्रेस पार्टी ने हाल में हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024, कर्नाटक और महाराष्ट्र चुनाव में "वोट चोरी" का आरोप लगाया है।

मंत्री लाड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सिर्फ चुनाव जीतने के लिए उन्होंने बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिए। इसके अलावा, एसआईआर में मतदाता सूची से 65 लाख नाम हटाए गए हैं और 20 मतदाता जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री तकनीक और उपग्रह की इतनी बातें करते हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का डिजिटल प्रारूप भी उपलब्ध नहीं कराया है। उन्होंने इससे साफ जाहिर है कि वे धोखाधड़ी और सत्ता का दुरुपयोग करना चाहते हैं, और इसी के जरिए वे सत्ता में आए हैं। कांग्रेस पार्टी ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024, कर्नाटक और महाराष्ट्र चुनावों में वोट चोरी का आरोप लगाया था।

शुक्रवार को गांधी ने कहा कि कांग्रेस और 'इंडि' गठबंधन चुनाव परिणामों की गहन समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के लिए अधिक प्रभावी प्रयास करेंगे। सत्तारूढ़ राजग ने बिहार में 'महागठबंधन' को शिकस्त देकर सत्ता बरकरार रखी। बिहार में छह और 11 नवंबर को दो चरणों में चुनाव हुए थे।

'विज़न इंडिया: स्टार्टअप समिट' में अखिलेश यादव सुपर सेशन को करेंगे संबोधित

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बड़ी वैचारिक पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'विज़न इंडिया: स्टार्टअप समिट' का आगाज रविवार को यहां ताज बेंगलूरु में होगा। सांसद एवं स्टार्टअप समिट के मुख्य समन्वयक डॉ. राजीव राय ने बताया कि यह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की वैचारिक पहल है। इसका मकसद देशवासियों के समावेशी विकास के लिए सकारात्मक, व्यावहारिक, प्रगतिशील और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ भारत के भविष्य को आकार देना है।

डॉ. राजीव राय ने बताया कि रजिस्ट्रेशन और वेलकम टी के लिए सुबह 10 से 11 बजे तक समय रहेगा। स्वागत नोट और विशेषज्ञों के विचार 12.30 बजे तक पेश किए जाएंगे। दर्शकों से बातचीत और अभिनंदन दोपहर 1 बजे तक होंगे। फिर, 2 बजे तक लंच टाइम रहेगा। अखिलेश यादव के साथ सुपर सेशन 2 से 3.30 बजे तक होगा। मीडिया और दर्शकों के साथ संवाद के लिए 3.30 से 4 बजे तक समय रहेगा। उसके बाद धन्यवाद नोट और हाई टी जैसे कार्यक्रम 4.30 बजे तक होंगे।

डॉ. राजीव राय ने कहा कि 'विजन इंडिया' योजना, विकास और उत्थान की अपनी यात्रा की शुरुआत स्टार्टअप्स पर पहले समिट के साथ करेगा, जिसमें लाखों लोगों के जीवन को बदलने के लिए नवाचार की अपार सकारात्मक शक्ति निहित है।

उन्होंने कहा कि हम सभी से इस मिशन का हिस्सा बनने का आह्वान करते हैं, ताकि ऐसे भविष्य का निर्माण किया जा सके, जिसमें सबकी भलाई सुनिश्चित हो।

नकली नंदिनी घी बनाने के आरोप में चार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सीसीबी पुलिस ने कर्नाटक के प्रसिद्ध ब्रांड नंदिनी के घी उत्पाद का नकली संस्करण बनाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है यह लोग घी को मिक्स कर नंदिनी घी की तरह बनाकर नकली घी के पैकेट और बोटल में पैक कर अधिकृत डीलरों की भेज रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 1.26 करोड़ रुपए मूल्य का लगभग 8136 लीटर नंदिनी नकली घी बरामद किया है।

इनके पास से घी को वितरण करने के लिए उपयोग में लाए जा रहे चार वाहनों को भी बरामद किया गया है। यह घी पॉम आइल और केमिकल की मदद से तमिलनाडु में तैयार किया जा रहा था। और वहां से बेंगलूरु के केएमएफ लाइसेंस डिस्ट्रीब्यूटरों को कम दाम पर सप्लाई की जा रही थी। जिससे वह बाजार में लोगों तक पहुंच रहा था।

अभिनेत्री का 'पीछा और परेशान करने' के आरोप में व्यवसायी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री का पीछा करने, धमकाने और परेशान करने के आरोप में शनिवार को एक व्यवसायी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान अरविंद वेंकटेश रेड्डी के रूप में हुई। अपनी शिकायत में 36 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि वह रेड्डी को 2021 से जानती थी और पहली बार 2022 में श्रीलंका में एक कार्यक्रम में उससे मिली थी। आरोपी ने कुछ महीनों तक उनके साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा

और उनसे दोस्ती की।

शिकायत के अनुसार, वे 'लिव-इन रिलेशनशिप' में रहे, और शुरुआत में तो रेड्डी ने अच्छा व्यवहार किया, लेकिन जल्द ही उसका व्यवहार जुनूनी और धमकाने वाला हो गया। आरोपी अक्सर शराब पीकर घर आता था, जिसकी वजह से अभिनेत्री ने उससे दूरी बना ली थी। शिकायत में कहा गया है कि दूर रहने के प्रयासों के बावजूद आरोपी ने कथित तौर पर हर जगह उनका पीछा किया और उन्हें अपमानित करने के लिए उनकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ करके 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर 17 अक्टूबर को राजराजेश्वरी नगर थाने में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि बाद में मामला गोविंदराजनगर पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया गया और जांच के आधार पर आरोपी को आज गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है।

लोकायुक्त ने सिद्दरामय्या के खिलाफ मुडा मामले में रिपोर्ट दाखिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के परिवार को मुडा (एमयूडीए) भूमि आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच के संबंध में शनिवार को निचली अदालत में वस्तु स्थिति रिपोर्ट दाखिल की। सिटी सिविल एवं सत्र न्यायालय ने शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ आरोपों के संबंध में दायर निजी शिकायत पर सुनवाई की।

शिकायत में मुख्यमंत्री और अन्य पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) की भूमि को मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों को आवंटित करने में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। जब मामले की सुनवाई शुरू हुई, तो शिकायतकर्ता उपस्थित हुए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) और लोकायुक्त की ओर से भी विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) उपस्थित थे। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान लोकायुक्त के विशेष लोक अभियोजक ने एमयूडीए से संबंधित आरोपों की जांच पर वस्तु स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

रिपोर्ट की एक प्रति शिकायतकर्ता को सौंप दी गई। अभियोजक ने अदालत को बताया कि जांच अभी प्रगति पर है तथा अधिक विस्तृत एवं अद्यतन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए कार्यवाही चार दिसंबर तक स्थगित कर दी।

राजनीतिक दलों को महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए : पी चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि राजनीतिक दलों को महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए और उनके लिए व्यापक स्तर पर विकास सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान लोग वोट देने के लिए बाध्य थे और राजनीतिक दलों के लिए मतदान के दौरान वोट हासिल करना आम बात थी।

चिदंबरम ने कहा कि सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दलों को महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और उनका समाधान करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, जनता पांच साल में एक बार वोट देने के लिए बाध्य है और राजनीतिक दल चुनाव के दौरान वोट मांगेंगे। लेकिन राजनीतिक

दलों को अपनी राजनीतिक और आर्थिक नीतियों को जनता को समझाना चाहिए तथा महिलाओं के विकास के लिए पूरे मन से प्रयास करना चाहिए।

चिदंबरम ने कहा कि महिलाओं को वित्तीय मजबूती प्रदान की जानी चाहिए और उन्हें पारिवारिक बोझ तथा सामाजिक बंधनों से मुक्त किया जाना चाहिए तथा उन्हें नयी ऊंचाइयों को छूने तथा राष्ट्र का नेतृत्व करने में मदद की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में यहां महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित एक समारोह में यह बात कही। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस की महिला सदस्यों से इंदिरा गांधी के साहस और आत्मविश्वास से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि वे पूर्व प्रधानमंत्री के अदम्य साहस को अपना लें तो वे राष्ट्र का नेतृत्व करने की स्थिति में होंगी।

ईडी ने चीन से लौह अयस्क निर्यात मामले में किया

कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल के खिलाफ आरोप-पत्र दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने 44 करोड़ रुपये मूल्य के लौह अयस्क के कथित अवैध निर्यात से संबंधित धन शोधन जांच में कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल और उनसे जुड़ी एक कंपनी के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अभियोजन पक्ष की शिकायत बेंगलूरु में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष दायर की गई।

ईडी ने कहा कि उत्तर कन्नड़ के कारवार विधानसभा सीट से 59

वर्षीय विधायक सैल और उनकी कंपनी श्री मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड को आरोप-पत्र में आरोपी बनाया गया है। इसने कहा कि विधायक कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) हैं। सैल को सितंबर में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ मामला कथित तौर पर उनसे जुड़ी कंपनी द्वारा लौह अयस्क के अवैध निर्यात से संबंधित है। ईडी की जांच कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा 2010 में दर्ज मामले से शुरू हुई, जिसमें पाया गया कि लगभग आठ लाख टन लौह अयस्क को अवैध रूप से बेल्लारी से बेलेकेरी बंदरगाह तक ले जाया गया था।

ईडी ने अपनी जांच के दौरान दावा किया कि यह लौह अयस्क आरोपी व्यक्तियों द्वारा बेलेकेरी बंदरगाह के बंदरगाह संरक्षक महेश जे बिलिये की मिलीभगत से चीन में खरीदारों को निर्यात किया गया था। इसने कहा, आरोपी व्यक्तियों के आपराधिक कृत्य से सरकारी खजाने को 44.09 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ईडी के अनुसार, सैल ने लौह अयस्क की अवैध खरीद के लिए अन्य आरोपियों को 46.18 करोड़ रुपये का भुगतान किया। इस महीने की शुरुआत में ईडी ने विधायक की 21 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की थी।

सड़क दुर्घटना में तीन तीर्थयात्रियों की मौत

मंगलूरु। कर्नाटक में मंगलूरु-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार तड़के एक कार के बीसी रोड सर्कल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान - रम्या (23), रवि (64) और नंजम्मा (75) के रूप में हुई है। सभी बेंगलूरु के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, कार में सवार लोगों का यह समूह बेंगलूरु के पीन्या से उडुप्पी श्री कृष्ण मठ में तीर्थयात्रा के लिए जा रहा था, तभी यह दुर्घटना घटी। प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि कार बीसी रोड सर्कल पर दुर्घटनाग्रस्त हुई, जिसमें वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रवि की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायलों - कीर्ति, सुशीला, बिंदु और प्रशांत को मंगलूरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीसी रोड-अड्डाहोल राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के तहत बनाया गया नवनिर्मित यातायात सर्कल अवैज्ञानिक है और हाल के महीनों में कई दुर्घटनाओं का कारण रहा है। बंटवाल यातायात पुलिस ने इस दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

बेलगावी चिड़ियाघर में दो दिन में 28 काले हिरणों की मौत

बेलगावी/भाषा। बेलगावी के कित्तूर रानी चेन्नम्मा चिड़ियाघर में पिछले तीन दिन में रहस्यमय परिस्थितियों में 28 काले हिरणों की मौत हो गई है। चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सहायक वन संरक्षक नागराज बल्हासूरी के अनुसार आठ काले हिरणों की मौत दो दिन पहले हुई थी, जबकि 20 की मौत शनिवार को हुई। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक को संदेह है कि उनकी मौत किसी जीवाणु संक्रमण के कारण हुई है, हालांकि वास्तविक कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, हमने मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा का नमूना बेंगलूरु के बन्नेरघट्टा प्राणी उद्यान के अधिकारियों को भेज दिया है।

तमिलनाडु और पुडुचेरी में बारिश की संभावना, डेल्टा जिलों में भारी वर्षा की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को कहा कि थोड़े समय की राहत के बाद अगले 24 घंटों में तमिलनाडु और पुडुचेरी में बारिश होने की संभावना है, तथा मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम, तिरुवरुर, तंजावुर और पुडुकोट्टई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में एक या दो स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा सुब्रमण्यन ने कहा कि 16 अक्टूबर को सक्रिय हुए उत्तर-पूर्वी मानसून के कारण अब तक तमिलनाडु में 30 सेमी बारिश हुई है।

बुलेटिन के अनुसार, तटीय तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर तथा आंतरिक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है तथा एक या दो स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने की संभावना है।

एक ऊपरी वायु परिसंचरण जो दक्षिण-पश्चिम और समीपवर्ती दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर था, अब दक्षिण श्रीलंका और समीपवर्ती दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है तथा समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। मौसम विभाग ने मछुआरों को शनिवार और रविवार (15 और 16 नवंबर, 2025) के बीच समुद्र में न जाने की सलाह दी है, क्योंकि तमिलनाडु तट के साथ-साथ मन्नार की खाड़ी और निकटवर्ती कोमोरिन क्षेत्र में 35 किमी प्रति घंटे से 45 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है, जो बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

तूतीकोरिन जिले के तिरुचेंदूर में शनिवार सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 8 सेमी बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद तिरुनेलवेली के ओथु और राधापुरम तथा तूतीकोरिन के कयापट्टिनम में सात-सात सेमी बारिश दर्ज की गई। बुलेटिन में कहा गया है कि जिले के तिरुप्पुर उत्तर, पल्लदम, तिरुप्पुर दक्षिण और उथुकुली में सबसे कम एक सेमी बारिश दर्ज की गई।

बुलेटिन में कहा गया है कि चेन्नई और आसपास के जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया 'सालूमरदा' थिमक्का का अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरणविद् 'सालूमरदा' थिमक्का का शनिवार को यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। थिमक्का का शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि 114 वर्षीय थिमक्का काफी समय से बीमार थीं और अस्पताल में भर्ती थीं, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। तीस जून, 1911 को जन्मीं थिमक्का को बेंगलूरु दक्षिण जिला मुख्यालय रामनगर में हुलिकल व कुदुर के बीच 4.5 किलोमीटर के क्षेत्र में 385 बरगद के पेड़ लगाने के लिए 'सालूमरदा' (वृक्ष माता) की उपाधि दी गई।

बिना किसी औपचारिक शिक्षा के थिमक्का ने पौधारोपण अभियान शुरू किया। वह पेड़ों को अपने बच्चों की तरह मानती थीं, ताकि जीवन में निःसंतानता के कारण आए खालीपन को भर सकें। थिमक्का का अंतिम संस्कार बेंगलूरु के ज्ञान भारती परिसर के कलाग्राम में लिंगायत परंपरा के अनुसार किया गया।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर, वन मंत्री ईश्वर खांडरे तथा कई विधायक उस समय उपस्थित थे जब थिमक्का के पार्थिव शरीर को समाधि दी गयी। खांडरे ने यहां थिमक्का को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा, सालूमरदा थिमक्का के नाम पर एक पुरस्कार शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य ने पर्यावरण के एक समर्पित संरक्षक को खो दिया है, जिन्होंने पेड़ों के पोषण के प्रति अपनी आजीवन प्रतिबद्धता के माध्यम से लाखों लोगों को प्रेरित किया। वन मंत्री ने कहा कि सैकड़ों नागरिक उनके कार्य से प्रेरणा लेकर पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना जारी रखे हुए हैं। खांडरे ने कहा, श्रद्धांजलि के रूप में पूरे कर्नाटक में 114 स्थानों पर 114 पौधे लगाए जाएंगे और उनका पोषण किया जाएगा, जो थिमक्का के जीवन के प्रत्येक वर्ष का प्रतीक होगा।

बिहार का जनादेश देश के राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुधुनगर। भारतीय जनता पार्टी के तमिलनाडु प्रदेश प्रमुख नैनार नागेन्द्रन ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 2026 के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करेगा। नैनार ने कहा कि बिहार

चुनाव के परिणाम केंद्र की भाजपा सरकार और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सुशासन की मान्यता है तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर गलत सूचना फैलाने वालों को खारिज किया गया है। नागेन्द्रन ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें बिहार में भारी जीत की उम्मीद नहीं थी। यह हमारे गठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है। वहां राजग की भारी जीत के बाद तमिलनाडु में हमारा गठबंधन अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में शानदार जीत सुनिश्चित करेगा। उन्होंने 'पीएम श्री' जैसी केंद्र प्रायोजित योजनाओं का विरोध करने के लिए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की आलोचना की और कहा कि यदि राज्य सरकार लोगों के हित में विचार करे और कार्य करे तो लोगों को लाभ होगा। नागेन्द्रन ने पूछा, जब पड़ोसी राज्य केरल ने अपने लोगों की भलाई के लिए 'पीएम श्री' योजना को स्वीकार कर लिया है तो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को इस योजना को स्वीकार करने से कौन रोक रहा है?

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: B/TRD.2025-26/26
दिनांक: 10.11.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
केएसआर बेंगलूरु (एसबीसी) यार्ड पर ट्रॉमवे ओएचई को कन्वेन्शनल से रूपांतरण करना।	रू. 1,13,21,950.32

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 01.12.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/कर्षण वितरण/बेंगलूरु
PUB/643/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

युवा शक्ति का उत्साह भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को जोधपुर के बालेसर में सांसद खेल महोत्सव की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र की सबसे ऊर्जावान शक्ति बताते हुए कहा कि युवा जिस संकल्प और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे, वहीं भारत के भविष्य को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। खेल महोत्सव का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय मंत्री एवं विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने रस्साकशी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

शेखावत ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता न होकर युवाओं की सहभागिता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पंचायत स्तर पर सफल आयोजनों के बाद बालेसर में आयोजित इस ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में लगभग डेढ़ हजार खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है और यही युवा जनसंख्या देश की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में भारत के विकास में युवाओं का योगदान निर्णायक भूमिका निभाएगा।

शेखावत ने खेलों को जीवन-दर्शन से जोड़ते हुए बताया कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास, टीमस्पिरिट और असफलताओं का सामना करने की क्षमता विकसित करते हैं, जो आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, पोषण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

शेखावत ने कहा कि आने वाले वर्षों में देश के प्रत्येक विद्यालय में खेलों की बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि खेलों में बालिकाओं की बढ़ती भागीदारी देश की नई पहचान बन रही है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर युवाओं से विशेष अभियान में भागीदारी का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत को अपनी आवाज़ देने का यह एक अनोखा अवसर है, जिसमें देशभर से लाखों युवा जुड़ रहे हैं।

भगवान बिरसा के सपनों को केन्द्र व राज्य सरकार कर रही पूरा, विकसित भारत का यही आधार : हीरालाल नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को बूंदी के बाईपास रोड़ स्थित हरियाली रिसोर्ट में जनजातीय गौरव दिवस के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। जिला स्तरीय कार्यक्रम गुजरात में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ा रहा। इसके साथ ही, डूंगरपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस राज्य स्तरीय समारोह का भी कार्यक्रम में सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपना संपूर्ण जीवन आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अपने छोटे से जीवनकाल में ही आदिवासियों के हक के लिए लंबा संघर्ष किया और उन्हें उनका अधिकार दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए।

प्रभारी मंत्री नागर ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के उत्थान के लिए जो आंदोलन शुरू किया था, आज उसी को केंद्र व राज्य सरकार आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं।

नागर ने प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आदिवासी समाज के विकास में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। राज्य सरकार भी इस दिशा में तेजी से

फैसले लेकर कार्य कर रही है और भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का सपना ही प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'विकसित राजस्थान' के विजन का आधार हैं। सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। समारोह के अंत में जिला प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 12 लाभार्थियों को उनके आवास की चाबियां भी सौंपी। साथ की स्वामित्व योजना के तहत 15 लाभार्थियों को आवासीय पट्टे प्रदान किए गए।

जनसुनवाई

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शनिवार को अजमेर सर्किट हाउस में जनसुनवाई में प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। रावत ने स्पष्ट कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता जनता की समस्याओं का पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी समाधान है। उन्होंने बताया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जनसुनवाई को नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान जलापूर्ति, सड़क, बिजली, राजस्व मामलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, चिकित्सा एवं शिक्षा से जुड़े कई प्रकरणों को मौके पर ही समाधान की दिशा में आगे बढ़ाया गया। जिन मामलों में विभागीय प्रक्रिया आवश्यक थी, उनमें मंत्री रावत ने अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री रावत ने कहा कि जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव पहुंचे, यह मेरी निरंतर प्रतिबद्धता है। जनसुनवाई में उपस्थित नागरिकों ने मंत्री रावत की संवेदनशीलता, तत्परता और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की।

भगवान बिरसा मुंडा महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक थे : कन्हैया लाल चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर शनिवार को टोंक में जिला स्तरीय ''जनजातीय गौरव दिवस'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक थे, जिन्होंने अंग्रेजी हुकुमत और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने आदिवासी शोषण का विरोध किया और भूमि, जंगल और पारंपरिक अधिकारों के लिए जनजातीय समुदाय के लोगों को जागरूक किया। चौधरी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी भाई-बहनों के कल्याण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

संबोधन के पश्चात चौधरी ने स्वदेशी अपनाने एवं नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई। साथ ही जनजातीय समुदाय विकास के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं हेतु राज्य स्तरीय पुस्तिका आदि किरण का विमोचन किया। इस दौरान देवली-उनियारा विधायक श्री राजेन्द्र गुर्जर, जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, सीईओ परशुराम धानका, जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, नरेश बंसल, प्रभु बाडोलिया समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी व कार्मिक मौजूद रहें।

कृषि ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में गुजरात के नर्मदा जिले में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय समारोह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं डूंगरपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के उद्बोधन का लाइव प्रसारण हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा व जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री चौधरी ने भगवान बिरसा मुंडा सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही राजीविका, महिला अधिकारिता, कृषि एवं उद्योग विभाग द्वारा लगाई गई विभागीय स्टॉल पर कार्मिकों को इसे ग्रास स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

रवींद्र जडेजा कम फीस पर राजस्थान रॉयल्स में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। करिश्माई ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब क्रमश: राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे। आईपीएल के आगामी सत्र से पहले इन दोनों फ्रेंचाइजी ने इसकी पुष्टि की।

अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की समय सीमा रविवार को समाप्त हो जाएगी। इससे पहले जडेजा ने कम शुल्क पर राजस्थान रॉयल्स में प्रवेश कर लिया है, जबकि चार सत्र तक राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करने वाले सैमसन आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की पीली जर्सी पहनेंगे।

आईपीएल मीडिया एडवाइजरी में कहा गया कि जडेजा की आईपीएल फीस 18 करोड़ रुपये से घटाकर 14 करोड़ रुपये कर दी गई है, जबकि सैमसन सीएसके के लिए अपनी मौजूदा लीग फीस 18 करोड़ रुपये पर खेलेंगे।

एडवाइजरी में कहा गया है, ''सीएसके के लिए 12 सत्र में खेल चुके जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। समझौते के तहत उनकी लीग फीस 18 करोड़ रुपये से 14 करोड़ रुपये कर दी गई है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब 18 करोड़ रुपये की मौजूदा लीग फीस पर चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।''

आईपीएल विज्ञप्ति में कहा गया है, ''इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन 2.4 करोड़ रुपये की अपनी मौजूदा लीग फीस पर सीएसके से राजस्थान रॉयल्स की टीम से खेलेंगे।'' तेज गेंदबाज़ मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स ((एलएसजी) की जर्सी पहनेंगे। वह अपनी मौजूदा 10 करोड़ रुपये की फीस पर नई फ्रेंचाइज़ी में शामिल होंगे।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर भी मुंबई इंडियंस से 30 लाख रुपये की मौजूदा फीस पर एलएसजी की ओर से खेलेंगे, जबकि ऑलराउंडर नितीश राणा राजस्थान रॉयल्स से 4.2 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज़ डोनोवन फरेरा दिल्ली कैपिटल्स से एक करोड़ रुपये की संशोधित फ़ीस पर ट्रेड होने के बाद अपनी पहली फ्रेंचाइज़ी राजस्थान रॉयल्स में वापसी करेंगे।

लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय आगामी सत्र से पहले तीन बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से ट्रेड होने के बाद अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस में वापसी करेंगे।

जनजातीय समाज के विकास के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के विकास के लिए कृत-संकल्पित है। शर्मा डूंगरपुर के भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवित रखा है। राजस्थान के हृदय में आदिवासी भाई-बहन सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में मौजूद हैं।'' उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन गौरवपूर्ण भी है।

शर्मा ने यह भी कहा, ''जनजातियों के नृत्य में केवल ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियां भी समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, बल्कि आदिवासी गौरव की चमक भी झलकती है। राज्य सरकार इन परंपराओं को संजोकर दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हैं, तब हमें प्रदेश के उन अमर नायकों का भी स्मरण करना चाहिए जिन्होंने इस धरती को वीरता और बलिदान से पवित्र किया। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'विकास को सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, जो नए भारत की आधारशिला बन रहे हैं।''

शर्मा ने कहा, ''देश भगवान बिरसा मुंडा के निस्वार्थ त्याग और राष्ट्र सेवा के लिए सदा ऋणी रहेगा। प्रधानमंत्री का यह वाक्य केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है कि हम धरती आबा के आदर्शों के मार्ग पर निरंतर चलते रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है।

इस दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और पहलों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''पिछले दो वर्षों में जनजाति कृषकों को दो लाख 36 हजार मिनिकिट वितरित किए गए हैं। प्रदेश के नौ जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लगभग 5 हजार जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है।''

विमोचन

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को जोधपुर प्रवास के दौरान घूमर फेस्टिवल 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने फेस्टिवल की तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शेखावत ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का अवसर है तथा सभी आयु वर्ग की प्रतिभागियों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

अस्पताल में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के झालावाड़ जिले की पुलिस ने अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार यह गिरोह बेरोजगारों से नौकरी दिलाने का झांसा देकर 50 हजार से लेकर दो लाख रुपये तक ऐंठ रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने गिरोह के दो मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

कुमार ने बताया कि कोतवाली थाने में दर्ज एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की।

शिकायतकर्ता ने बताया कि दो लोगों ने उसे और उसके तीन साथियों को फर्जी दस्तावेज दिखाकर नौकरी का भरोसा दिलाया और कुल आठ लाख रुपये ठग लिए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर मुख्य आरोपी सद्दाम हुसैन उर्फ सन्नी पठान को पकड़ लिया और उससे एक महंगी कार बरामद की गई।

इसके साथ ही एसआरजी अस्पताल में 'रक्षक प्लेसमेंट एजेंसी' के संचालक राजेश मिश्रा को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''जांच में पता चला कि मिश्रा बेरोजगारों के मोबाइल नंबर सद्दाम पठान को उपलब्ध कराता था। सद्दाम लोगों को विश्वास में लेकर उनसे अग्रिम रकम और दस्तावेज लेता था। इसके बाद मिश्रा के कहने पर सद्दाम फर्जी सील और हस्ताक्षर का उपयोग करके नियुक्ति पत्र जारी करता था। '' उन्होंने कहा, ''पीड़ितों को भरोसा दिलाने के लिए वे फर्जी हाजिरी रजिस्टर में उनका नाम दर्ज करते थे, हाजिरी की तस्वीरें भेजते थे और एक महीने का वेतन भी बैंक खातों में भेजते थे।''

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सद्दाम उर्फ सन्नी पठान के कब्जे से धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए हैं।

जन्म जयंती

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष में 'जनजातीय गौरव वर्ष' के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपुतली के सभागार में राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल भी मौजूद रहे। गुजरात से राष्ट्र स्तरीय एवं डूंगरपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया।

जनजातीय समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है 'डबल इंजन' सरकार : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनभद्र/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ''डबल इंजन'' सरकार विकास, सुरक्षा और सुशासन को साथ लेकर आगे बढ़ रही है और जनजातीय समाज को मुख्यधारा के विकास का अग्रणी भागीदार बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम कर रही है।

'धरती आबा' बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय बाहुल्य जिले सोनभद्र के चोपन में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर केवल स्मरण का नहीं, बल्कि जनजातीय गौरव को विकास से जोड़ने का है। मुख्यमंत्री ने कहा, बिरसा मुंडा का संदेश 'अबुआ देश, अबुआ राज' आज के नए भारत में राष्ट्र प्रथम' की भावना के रूप में प्रकट हो रहा है। डबल इंजन सरकार जनजातीय समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए उनके साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरित होकर सोनभद्र और पूरे उत्तर प्रदेश का जनजातीय समाज राष्ट्र की एकता, सुरक्षा और समृद्धि में सक्रिय भूमिका निभाएगा और

विकास की मुख्यधारा में अग्रणी भागीदार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, आज से 150 वर्ष पहले 1875 में जन्मे धरती आबा' ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जो संघर्ष छेड़ा, वह आज भी नए भारत के लिए मार्गदर्शक है। रांची जेल में यातनाओं के बीच उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, ब्रिटिश हुकूमत को जनजातीय समुदाय के अधिकारों को स्वीकार करना पड़ा। उन्होंने बताया कि आज स्वतंत्र भारत में वही संघर्ष जनजातीय समाज के सम्मान, हिस्सेदारी और विकास के रूप में आगे बढ़ रहा है और डबल इंजन सरकार इसे न्यायपूर्ण नीतियों और ठोस कार्यों में बदल रही है। सोनभद्र की विशेषता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह केवल ऊर्जा राजधानी नहीं, बल्कि मानव इतिहास और प्रकृति की अद्भुत धरोहर का भी केंद्र है। सलखान फॉसिल पार्क में 140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्मों के अवशेष विश्व समुदाय के लिए अद्वितीय आकर्षण हैं और यूनेस्को द्वारा इसे विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया जाना सोनभद्र की वैश्विक पहचान को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि शिवद्वार पंचमुखी महादेव, ज्वालामुखी शक्तिपीठ, हाथी नाला और जैवविविधता पार्क जैसे धार्मिक और प्राकृतिक स्थल यहां आध्यात्मिक और पारिस्थितिकी पर्यटन की अपार संभावनाओं को उजागर करते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पाई जाने वाली 15 जनजातियों में से 14 जनजातियां अकेले सोनभद्र में निवास करती हैं और यहां चार लाख से अधिक जनजातीय बहन-भाइयों का जीवन मानव उद्गम और सभ्यता के इतिहास से जुड़ी एक जीवंत विरासत है। जनजातीय गौरव के संरक्षण के लिए सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बलरामपुर जनपद के इमलिया कोडर में जनजातीय संग्रहालय और छात्रावास स्थापित किया जा चुका है।

बिहार में महागठबंधन की 'खिचड़ी' नहीं पकी : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों पर विपक्षी दलों के महागठबंधन' को निशाने पर लेते हुए शनिवार को कहा कि अंदरखाने बात बिगड़ने के कारण राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव की ''खिचड़ी'' नहीं पकी। बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत मिला है, जबकि महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। बिहार चुनाव के सह-प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री मौर्य ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, राहुल जी, तेजस्वी जी और अखिलेश जी की तिकड़ी में अंदरखाने से बात बिगड़ी, इसलिए बिहार में उनकी खिचड़ी नहीं पकी। चुनाव में सह-प्रभारी बनाए जाने के बाद मौर्य लगातार बिहार में रहकर राजग उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करते रहे।

महिलाओं के खातों में नगद हस्तांतरण ने राजग की जीत में अहम भूमिका निभाई : जन सुराज

पटना/भाषा। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी करारी हार पर शनिवार को निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के खातों में नगद हस्तांतरण ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सकी। पार्टी द्वारा बेरोजगारी, पलायन और राज्य में उद्योगों की कमी जैसे मुद्दों को उठाते हुए जोरदार प्रचार करने के बावजूद वह मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में असफल रही। जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम चुनाव परिणाम से निराश हैं, लेकिन दुखी नहीं। भले ही हम एक भी सीट नहीं जीत सके, लेकिन हम सत्तारूढ़ राजग का विरोध जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी बिहार में मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, जनादेश यह भी दिखाता है कि लोग राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की वापसी नहीं चाहते थे। सिंह ने दावा किया कि बिहार की राजग सरकार द्वारा महिलाओं के खातों में 40,000 करोड़ रुपये के नगद हस्तांतरण ने गठबंधन की जीत में ''महत्वपूर्ण भूमिका'' निभायी।

'वृंदावनी वस्त्र उधार लेने के लिए रविवार को ब्रिटिश संग्रहालय के साथ समझौता संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम सरकार 2027 में राज्य में प्रदर्शन के लिए 16वीं शताब्दी में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव द्वारा निर्मित रेशमी कपड़ा वृंदावनी वस्त्र' को राज्य में लाने के लिए रविवार को ब्रिटिश संग्रहालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार होगा कि वस्त्र को राज्य में प्रदर्शित किया जाएगा, क्योंकि इसे कम से कम एक शताब्दी पहले ले जाया गया था, तथा इसके हिस्से दुनिया भर के संग्रहालयों में कलाकृतियों के रूप में रखे गए थे।

नई दिल्ली से लंदन जाने से पहले फेसबुक पर एक वीडियो संदेश में शर्मा ने कहा, कल हमारी ब्रिटिश संग्रहालय के साथ बैठक है। हम 2027 में वृंदावनी वस्त्र लाने के लिए उनके साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनियां इस कशीदाकारी वाले कपड़े की घर वापसी को सुगम बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, जिसमें हाथ से बुने रेशम के टुकड़े में भगवान कृष्ण के जीवन की कहानियों को प्रदर्शित किया गया है। शर्मा ने कहा, सज्जन जिंदल (जेएसडब्ल्यू समूह के) की मां असम से हैं। राज्य में उनका कोई व्यावसायिक हित नहीं है। उनके समूह ने ब्रिटिश संग्रहालय से हमारा संपर्क कराने की पहल की और वृंदावनी वस्त्र को प्रदर्शित करने के लिए गुवाहाटी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक संग्रहालय बनाने की जिम्मेदारी भी ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त इस प्रक्रिया में शामिल हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस बारे में लगातार जानकारी ले रहे हैं। शर्मा ने बताया कि सरकार ने संग्रहालय की स्थापना के लिए जेएसडब्ल्यू समूह को गुवाहाटी के खानापाड़ा इलाके में जमीन आवंटित कर दी है। कंपनी संग्रहालय का निर्माण करेगी, लेकिन इसका स्वामित्व राज्य सरकार के पास होगा। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वृंदावनी वस्त्र एक कालातीत कृति है, जिसे महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की भक्ति और भावना से बुना गया है, यह एक पवित्र वस्त्र है जो अपनी दिव्य शिल्पकला के माध्यम से वैष्णव संस्कृति को जीवंत करता है। हमारी सरकार ने इस ऐतिहासिक खजाने को असम वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां इसका वास्तविक स्थान है। 'वृंदावनी वस्त्र' श्रीमंत शंकरदेव के मार्गदर्शन में कोच राजा नर नारायण के अनुरोध पर भगवान कृष्ण के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हुए बनाया गया था और इसमें उनकी लिखी एक कविता का अंश भी है। 'वृंदावनी वस्त्र' को 1904 में ब्रिटिश संग्रहालय ने तिब्बत से प्राप्त किया था, जो साढ़े नौ मीटर लंबा है। इसे रेशम के कई टुकड़ों से बनाया गया है।

राजद की हार के बाद लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी ने राजनीति और परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली करारी हार के एक दिन बाद, पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की शनिवार को घोषणा की। एमबीबीएस की पढ़ाई कर चुकीं रोहिणी लंबे समय से सिंगापुर में अपने पति के साथ रह रही हैं। उन्होंने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा 'एक्स' पर एक पोस्ट में की। उन्होंने कहा, मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं... संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे यही करने को कहा था... और मैं पूरा दोष अपने ऊपर ले रही हूं।

संजय यादव, राजद के राज्यसभा सदस्य हैं और तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक माने जाते हैं। रमीज को तेजस्वी का पुराना मित्र बताया जाता है, जो उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से संबंधित हैं। रोहिणी की पोस्ट से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि संजय यादव और रमीज ने उनसे किस बारे में ऐसा कहा था। दोनों से इस संबंध में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी। कुछ वर्ष पहले पिता लालू प्रसाद को अपना गुर्दा दान करने के कारण चर्चा में आई रोहिणी ने पिछले वर्ष सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यह भी अटकलें थीं कि वह तेज प्रताप यादव के पार्टी से निष्कासन से ''नाखुश'' थीं, हालांकि विधानसभा चुनाव के दौरान वह तेजस्वी यादव के लिए प्रचार करती दिखीं। इस बार के बिहार विधानसभा चुनाव में राजद की सीट घटकर 75 से 24 रह गईं।

सत्तारूढ़ राजग ने शुक्रवार को बिहार में महागठबंधन को पराजित करते हुए सत्ता बरकरार रखी। इस जीत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पकड़ को और मजबूत किया, जबकि कांग्रेस और उसकी सहयोगी राजद को करारा झटका लगा। राजग की प्रचंड जीत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसके दोनों प्रमुख घटक भाजपा और जनता दल यूनाइटेड ने अपनी-अपनी 101 सीटों पर 85% का सफलता दर हासिल किया।

कांग्रेस ने बिहार के नतीजे को अविश्वसनीय बताया, निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए

नई दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी और महागठबंधन की करारी हार के बाद शनिवार को लंबी मंत्रणा की तथा निर्वाचन आयोग की भूमिका को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े किए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि ये चुनाव परिणाम अविश्वसनीय हैं और कुछ सप्ताह में वह सबूत सामने रखेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनाव परिणाम आने की एक दिन बाद इसको लेकर मंथन किया और इस दौरान कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन और पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी मौजूद थे। पार्टी ने बिहार में 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल छह सीटें ही जीत पाई।

वर्ष 2010 के बाद बिहार में पार्टी का यह दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन था। उसने 2010 में केवल चार सीटें जीती थीं। बैठक के बाद राहुल गांधी ने मीडियाकर्मियों से बात नहीं की। बिहार चुनाव परिणाम और पार्टी के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया संदिग्ध है और इसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही परिणामों का विश्लेषण करेगी और अगले कुछ हफ्तों में ठोस सबूत पेश करेगी।

वेणुगोपाल ने कहा, बिहार चुनाव के ये नतीजे हम सभी के लिए अविश्वसनीय हैं। यह सिर्फ़ कांग्रेस के लिए ही नहीं है। पूरे बिहार के लोग और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। हमने उन सभी से बात की। वे इस पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, एक राजनीतिक दल का 90 प्रतिशत से ज़्यादा का स्ट्राइक रेट है, जो भारतीय इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। हम गहन विश्लेषण कर रहे हैं। हम पूरे बिहार से आंकड़े एकत्र कर रहे हैं। एक-दो सप्ताह में हम ठोस सबूत पेश करेंगे।

आतंकवादी संगठनों से संबंध रखने के आरोप में पश्चिम बंगाल से एमबीबीएस का छात्र गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) ने कथित रूप से आतंकवादी संगठनों से जुड़े एक एमबीबीएस छात्र को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान जानिसुर आलम उर्फ निसार आलम के रूप में हुई है, जो हरियाणा के अल-फलाह विश्वविद्यालय का एमबीबीएस छात्र है और लुधियाना का निवासी है। उन्होंने कहा कि छात्र के परिवार का संबंध उत्तर दिनाजपुर के डालखोला के पास स्थित कोनाल गांव से है। अधिकारी ने कहा कि छात्र को शुक्रवार सुबह सुरजापुर बाजार क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आलम को सुरजापुर बाजार से उसके पैतृक घर में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौटते समय एनआईए के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया, यह युवक हरियाणा के अल-फलाह विश्वविद्यालय का मेडिकल पाठ्यक्रम का छात्र है। वह अपनी मां और बहन के साथ अपने पैतृक घर पर शादी समारोह में शामिल होने आया था। एनआईए के अधिकारियों ने मोबाइल टॉवर लोकेशन के जरिये उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने झारखंड में कैट की पीठ स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को झारखंड में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की एक पीठ स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मेघवाल रांची में झारखंड उच्च न्यायालय के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश, विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और अन्य विशिष्टजन मौजूद थे। मेघवाल ने कहा, मुझे बताया गया कि झारखंड उच्च न्यायालय या रांची में कैट की कोई पीठ नहीं है। यह मांग उचित लगती है। झारखंड में कैट की एक पीठ होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय की यात्रा पिछले 25 वर्षों में जरूरतमंदों को सुलभ, निष्पक्ष और पारदर्शी न्याय उपलब्ध कराने में गौरवपूर्ण रही है। केंद्रीय मंत्री ने तकनीकी और औद्योगिक क्रांति के बीच अगले 25 वर्षों के लिए एक रोडमैप तैयार करने का भी आह्वान किया। मेघवाल ने कहा, हम कृत्रिम मेधा (एआई), रोबोटिक्स, 3-डी पेंटिंग, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन तकनीक के विकास के साथ एआई-सक्षम टेक्नोलॉजी के युग में प्रवेश कर चुके हैं। हमें इन चुनौतियों के बीच इन तकनीकी विकासों को अपनाना होगा। इसलिए, उच्च न्यायालय के स्वर्ण जयंती वर्ष को और अधिक गौरवपूर्ण बनाने के लिए हमें अगले 25 वर्षों का एक रोडमैप तैयार करना होगा। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने झारखंड की जिला न्यायपालिका के लिए एक मोबाइल ऐप्लिकेशन भी पेश किया। एंड्रॉइड संस्करण यह एप्लिकेशन झारखंड के सभी 24 जिलों और उप-मंडलीय अदालतों को एक ही मंच पर लेकर आता है।

बिहार चुनाव : कई सीट पर जीत-हार का अंतर 500 से भी कम, संदेश में सबसे कम 27 वोट का अंतर

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव के अधिकांश नतीजे घोषित हो चुके हैं और तस्वीर लगभग साफ है, लेकिन कई सीट पर मुकाबला इतना करीबी रहा कि जीत-हार का अंतर 500 वोट से भी कम है। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में यह अंतर 100 वोट से भी कम है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिला है।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार राज्य की अगिआंव, बलरामपुर, ढाका, फारबिसगंज, नबीनगर, रामगढ़ और संदेश सीट पर जीत-हार का अंतर 500 से कम रहा। बलरामपुर में 389, ढाका में 178, फारबिसगंज में 221, नबीनगर में 112 और रामगढ़ में 175 वोट का अंतर दर्ज किया गया। दो सीट-अगिआंव और संदेश के लिए चुनाव में जीत-हार का अंतर 100 वोट से भी कम रहा। अगिआंव में 95 वोट और संदेश में महज 27 वोट से फैसला हुआ। संदेश सीट राज्य में सबसे कम अंतर से जीती जाने वाली सीट साबित हुई।

इसके अलावा बख्तियारपुर, बोध गया, चनपटिया और जहानाबाद उन विधानसभा क्षेत्रों में शामिल हैं जहां जीत-हार का अंतर 1000 से 500 के बीच रहा। बख्तियारपुर में 981, बोध गया में 881, चनपटिया में 602 और जहानाबाद में 793 वोट के अंतर से जीत दर्ज की गई।

अमित शाह ने बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आदिवासी नायक बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह पूरे देश के गौरव थे।

वर्तमान झारखंड में 1875 में जन्मे मुंडा ने ब्रिटिश शासन को चुनौती दी और उन्हें आदिवासियों को उसके विरुद्ध संगठित करने का श्रेय दिया जाता है।

बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई जाती है। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भगवान बिरसा मुंडा जी केवल जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव हैं। आज पूरा देश हर्षोल्लास से उनकी 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है।

गृह मंत्री ने कहा, ''उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर स्वतंत्रता आंदोलन और मातृभूमि की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प को नमन किया।'' मुंडा ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया। आदिवासी अधिकारों और स्वशासन के लिए उनके संघर्ष ने उन्हें स्थानीय समुदायों के प्रतिरोध और सशक्तीकरण का प्रतीक बना दिया।

झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा की जयंती और राज्य स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और राज्य के स्थापना दिवस की रजत जयंती पर शनिवार को लोगों को बधाई दी।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने रांची के कोकर और बिरसा चौक स्थित आदिवासी महापुरुष की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातु में बिरसा मुंडा के गांव का भी दौरा किया, जहां उन्होंने आदिवासी नायक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गंगवार ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि वह सभी के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। राज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मातृभूमि और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा ने युवावस्था में जो असाधारण संघर्ष किया, वह सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सभी देशवासियों को 'जनजातीय गौरव दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। साथ ही आप सभी को झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध, सशक्त और विकसित झारखंड के निर्माण में हम सभी का सहयोग निरंतर बना रहे।'' झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए गंगवार ने कहा, झारखंड आज अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे कर रहा है, जो विभिन्न क्षेत्रों में हमारी प्रेरणादायक प्रगति का प्रतीक है। मैं आप सभी के सुख, समृद्धि और राज्य की निरंतर उन्नति की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री ने भी झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

विस्फोट के 4 दिन बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन के दो प्रवेश द्वार फिर खोले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के दो प्रवेश द्वार शनिवार को फिर से खोल दिए। लाल किले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट के कारण लगभग चार दिन पहले यह द्वार बंद कर दिए गए थे।

डीएमआरसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 और 3 अब यात्रियों के लिए खुल गए हैं, जिससे आंशिक रूप से प्रवेश बहाल हो गया है। इन्हें घटना के बाद सुरक्षा उपायों के तहत बंद कर दिया गया था। लाल किले के पास सोमवार शाम हुए विस्फोट के बाद आसपास के इलाके को तुरंत बंद कर दिया गया था और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जांच के दौरान कई दिनों तक आवाजाही पर प्रतिबंध लागू रहे।

सुविचार

भावों का उत्कर्ष दिखाने और वस्तुओं का रूप, गुण और क्रिया का अधिक तीव्र अनुभव कराने में कभी-कभी सहायक होने वाली युक्ति ही अलंकार है।

ट्वीट

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिले प्रचंड जनादेश के लिए बिहार की जनता और समर्पित कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार। यह विजय राष्ट्र के विकास, सुशासन और स्थिरता के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश ने नई ऊर्जा, नई दिशा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने का जो सफर तय किया है, इस जनादेश ने उसे और सशक्त किया है।

-दीया कुमारी

विश्व के सबसे लोकप्रिय जननेता हमारे निष्कलुष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी जी के नेतृत्व में एनडीए ने सदैव सकारात्मकता की राजनीति की है। काम और विकास की मोदी की गारंटी के आधार पर जनता से समर्थन माँगा गया है। डबल इंजन सरकार विकसित भारत के गंतव्य की तरफ़ द्रुत गति से दौड़ रही है, बिहार इसमें अग्रणी होगा, आज यह भी सुनिश्चित हो गया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

शुरुआत

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

लेकिन किसे पता था कि उसी अथाह खुशी के बीच, भाग्य एक निर्दयी और क्रूर मोड़ लेने वाला है। एक दिन हम डॉक्टर के पास नियमित जांच के लिए गए थे। रिपोर्ट बिल्कुल सामान्य थी, हमारे चेहरे पर भविष्य के सुनहरे सपनों की चमक थी। लेकिन घर लौटते समय जिस ई-रिक्शा ने हमें टक्कर मारी, उसने उन सपनों को पलभर में बिखेर दिया। मैं सड़क पर पेट के बल गिरी थी, मेरे कानों में दीपक की दर्द भरी आवाज़ गूंज रही थी, रीना, आँखें खोलो! आँखें खोलो रीना दर्द असहनीय था, मेरी नस-नस चीख उठी थी। लोग इकट्ठे हो गए, कोई एम्बुलेंस बुला रहा था। सब कुछ धुंधला होता चला गया, और फिर केवल घना अंधेरा शेष रहा।

मैं वह स्त्री थी जो शीशे में अपनी परछाई नहीं, बल्कि सदियों पुराने संस्कारों की मुहर देखती थी। मेरे लिए, एक पत्नी का अस्तित्व उस अदृश्य लक्ष्मण रेखा से परिभाषित होता था, जिसे 'लज्जा' और 'मर्यादा' नाम दिया गया था। हमारे विवाह को दो वर्ष हो चुके थे, पर मेरी आत्मा पर अभी भी सदियों पुराने संस्कारों का पहरा था।

मेरा ससुराल में भी यही सिखाया गया था कि एक पत्नी को अपने 'धर्म' की सीमाओं में रहकर हर रिश्ते को निभाना चाहिए-चुपचाप और समर्पित। पर इन सब मान्यताओं के बीच दीपक एक अपवाद थे। उनके लिए मैं कोई जिम्मेदारी, कोई 'धर्म' निभाने वाली बहू नहीं, बल्कि उनकी संपूर्ण 'जीवन-संगिनी' थी। उन्होंने मुझे सिर्फ अपनाया नहीं, समझा भी। उनके साथ रहते हुए मैंने जाना कि प्रेम का मतलब केवल साथ जीना नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में एक-दूसरे की ढाल बन कर खड़ा रहना है।

हमारी शादीशुदा ज़िन्दगी किसी मधुर संगीत की तरह, सामंजस्य और विश्वास से भरी हुई थी। दीपक सुबह की पहली चाय से लेकर रात के आखिरी संवाद तक, मेरे हर पल का हिस्सा थे। वह मेरे चेहरे की थकान को शब्दों से नहीं, अपने सहज स्पर्श से मिटा देते। हफ्ते में एक दिन वह मेरे लिए विशेष पकवान बनाते,कहते, प्यार में मेहनत की खुशबू होनी चाहिए, रीना। धीरे-धीरे हम एक-दूसरे के इतने अभ्यस्त हो गए कि एक की चुप्पी भी दूसरे के दिल में गूंज उठती, और एक का अधूरापन दूसरे के बिना पूर्ण नहीं होता। यह प्रेम सिर्फ दो शरीरों का नहीं, बल्कि दो आत्माओं का गहरा मिलन था।

कुछ महीनों बाद मुझे पता चला कि मैं माँ बनने वाली हूँ। दीपक की खुशी जैसे सातों आसमान पार कर गई, उनके चेहरे पर एक ऐसी अलौकिक चमक थी जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। उन्होंने उस दिन मेरे हाथ को अपने हाथ में कसकर थाम लिया और कहा, अब हमारी जिंदगी में एक नया, सुनहरा सूरज उगेगा। परिवार का हर सदस्य मेरे चारों ओर स्नेह का घेरा बना चुका था। दीपक तो हर वक्त बस मेरे पास रहना चाहते,मेरी हर छोटी ज़रूरत, हर ख्वाहिश को पूरा करने में उन्हें एक परम आनंद मिलता। वह हर रात मेरे पेट पर हाथ फेरकर, आने वाले शिशु से बातें करते, अपनी आवाज़ में उसे दुनिया के सारे प्यार का आश्वासन देते।

लेकिन किसे पता था कि उसी अथाह खुशी के बीच, भाग्य एक निर्दयी और क्रूर मोड़ लेने वाला है। एक दिन हम डॉक्टर के पास नियमित जांच के लिए गए थे। रिपोर्ट बिल्कुल सामान्य थी, हमारे चेहरे पर भविष्य के सुनहरे सपनों की चमक थी। लेकिन घर लौटते समय जिस ई-रिक्शा ने हमें टक्कर मारी, उसने उन सपनों को पलभर में बिखेर दिया। मैं सड़क पर पेट के बल गिरी थी, मेरे कानों में दीपक की दर्द भरी आवाज़ गूंज रही थी, रीना, आँखें खोलो! आँखें खोलो रीना दर्द असहनीय था, मेरी नस-नस चीख उठी थी। लोग इकट्ठे हो गए, कोई एम्बुलेंस बुला रहा था। सब कुछ धुंधला होता चला गया, और फिर केवल घना अंधेरा शेष रहा।

जब आँख खुली, अस्पताल की सफेद, नीरव दीवारें मेरे चारों ओर थीं। दीपक पास ही बैठे थे, उनकी आँखों में थकान थी, पर उससे कहीं अधिक गहरी एक अथाह बेचैनी और अपराध-बोध था। मैंने बोलने की कोशिश की, पर कुछ अनकहे, भारी शब्दों ने मेरा गला रोक लिया। डॉक्टरों ने आकर बताया कि मेरी रीढ़ की हड्डी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। शायद पैरों का पूरा सहारा फिर कभी न मिल पाए, शायद चलने-फिरने के लिए मुझे एक बाहरी सहारे की आवश्यकता होगी, शायद एक व्हीलचेयर की।

तीन दिन बाद दीपक ने एक और खबर दी,हमारा बच्चा अब नहीं रहा। उस क्षण मेरी दुनिया केवल टूटी नहीं, बल्कि पूरी तरह बिखर गई। मेरी आत्मा ने चीखना चाहा, लेकिन होंठ केवल सिसकते रहे। दीपक ने बस मेरा सिर अपने सीने से लगा लिया। वह कुछ नहीं बोले,उनका मौन ही सबसे बड़ा, सबसे मजबूत सहारा था। उस मौन में उन्होंने मुझे अपनी सारी हिम्मत, सारा दर्द और सारा प्रेम सौंप दिया था।

घर लौटने पर मेरी ज़िन्दगी पूरी तरह से बदल गई थी। अब मेरा दिन व्हीलचेयर, कड़वी दवाइयों और शरीर को तोड़ देने वाली थकान के बीच सिमटने लगा था। मेरी स्वतंत्रता, मेरा आत्म-सम्मान, सब उस हादसे की भेंट चढ़ गए थे। दीपक हर सुबह मेरे कॉलेज के पुराने नोट्स पढ़कर सुनाते, ताकि मेरा मन उन दुखद विचारों से हटकर कहीं और बहले। कई बार वो मुझे बाहर धूप में बैठाकर, फूलों की खुशबू सूँघने को कहते,देखो, रीना, ये जीवन अब भी महकता है, तुम्हें बस इसकी खुशबू पहचानने की ज़रूरत है।

एक शाम जब वह मुझे बहुत प्यार से खाना खिला रहे थे, अचानक मेरे शरीर पर मेरा नियंत्रण पूरी तरह से खो गया और व्हीलचेयर पर ही पेशाब निकल गया। शर्म, ग्लानि और आत्म-घृणा के आँसू मेरे चेहरे पर बह निकले। पर दीपक ने पल भर की भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई। उन्होंने बिना कुछ कहे, बड़ी सहजता से मुझे साफ किया, कपड़े बदले और सिर्फ इतना कहा,तुम्हें तकलीफ हो रही होगी न, रीना? क्या दर्द ज्यादा है? वह क्षण मेरे आत्मगौरव की सबसे बड़ी, सबसे कठिन परीक्षा थी, लेकिन दीपक ने इसे प्रेम की पराकाष्ठा बना दिया। उन्होंने मुझे एहसास कराया कि मेरे शरीर की यह अपूर्णता उन्हें मुझसे दूर नहीं कर सकती।

मैंने अगली सुबह अपनी सास से कहा कि किसी नर्स को रख लेते हैं, मुझे दीपक से यह सब करवाते हुए बहुत ग्लानि महसूस होती है। उनका चेहरा कठोर हो गया। उन्होंने कहा, मुझे शर्म आती है, रीना, जो तुम अपने पति से ये सब करवाती हो। तुम मेरी बहू हो, और बहू को अपनी सीमाओं का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। उनके ये शब्द मेरे टूटते आत्म-विश्वास पर एक और प्रहार थे। मैं चुप रही, लेकिन मन भीतर तक गहरे घावों से भर गया।

शाम को जब दीपक आए, मैंने उनसे टूटी हुई आवाज़ में कहा, दीपक, मुझे यह सब तुमसे करवाना ठीक नहीं लगता। माँ जी भी यही कह रही थीं। उन्होंने शांत, गहरी आँखों से मेरी ओर देखा और बोले, अगर मेरी जगह तुम होतीं तो क्या मुझे दूर कर देतीं? क्या तुम मुझे किसी नर्स के हवाले कर देतीं? मैंने कोई जवाब नहीं दिया, क्योंकि मैं जानती थी कि मैं ऐसा कभी नहीं कर पाती। रीना, उन्होंने मेरे दोनों हाथों को अपने हाथों में लेकर कहा, शर्म तब होती है जब हम पराये हों। मैंने तुम्हें अपनी पत्नी, अपनी जीवन-संगिनी के हर रूप में अपनाया है, अब तुम्हारा यह दर्द मेरा हिस्सा है, मेरे जीवन का सत्य है। अगर तुम्हें लगता है कि मैं इन छोटी-छोटी ज़रूरतों को पूरा करते हुए कमज़ोर हो जाऊँगा, तो समझ लेना हमारा रिश्ता बस नाम का रह गया है। यह सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, यह प्रेम है।

उनके ये शब्द एक दिव्य सत्य की तरह मेरे भीतर गूंजते रहे। उसी रात पहली बार मुझे एहसास हुआ कि असली प्रेम दया या सहानुभूति नहीं होता, बल्कि समानता, आत्मा का जुड़ाव और एक-दूसरे की अपूर्णताओं को स्वीकार करने का साहस होता है।

दिन बीतते रहे। दीपक ने हार नहीं मानी। उन्होंने मेरी फिजियोथेरेपी शुरू करवाई। वह हर सुबह, बिना किसी नागा के मेरे साथ अभ्यास करते। कभी मेरी उंगलियों को पकड़कर कहते, चलो, मेरी रानी, आज एक इंच और। पहले मैं अभ्यास के दौरान सिर्फ मुस्कुराती, फिर धीरे-धीरे वह बेबस मुस्कान एक दृढ़ संकल्प में बदलने लगी। मुझे लगने लगा कि मैं फिर से चल पाऊँगी।

पर डॉक्टरों ने उम्मीदें कम बताईं। मगर दीपक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने ऑफिस का समय घटाया, अपनी कई मीटिंग्स को रद्द किया और मेरी दवाइयों से लेकर एक्सरसाइज तक सब पर ध्यान दिया। वह खुद भी मेरी व्हीलचेयर को धकेलते हुए लम्बी सैर करते, ताकि मुझे अकेलापन महसूस न हो। कभी कहते,ये लड़ाई हमारी है, रीना, तुम्हारी अकेले की नहीं।

एक दिन उन्होंने मुझे ज़ोर देकर बाहर पार्क में व्हीलचेयर से उठकर, वॉकर के सहारे चलने को कहा। मैं डर गई,दीपक, अगर गिर गई तो? मैं नहीं चाहती कि तुम फिर से दुखी हो। उन्होंने गहरी, आश्वस्त करने वाली मुस्कान के साथ कहा,मैं पकड़ लूँगा, रीना, जैसे उस दिन नहीं पकड़ पाया था। वह पहली बार था जब उन्होंने उस भयानक हादसे का ज़िक्र किया। उनकी आवाज़ में दर्द था, पर उसके भीतर एक अटूट दृढ़ता की जड़ें थीं। मैंने हिम्मत जुटाई और धीरे से वॉकर को थाम लिया।

मैंने जैसे ही अपना पहला कदम जमीन पर रखा, मेरे पैरों में एक हल्की सी, लेकिन स्पष्ट हलचल महसूस हुई। मैं चिल्ला पड़ी, मेरी आँखों में खुशी के आँसू भर आए, दीपक, मुझे लगता है कुछ हिल रहा है! उन्होंने मुझे अपनी बाहों में कस लिया और कहा,तब तो सुबह का सूरज हमारे लिए फिर से उग आया, रीना।

अब उस घटना को पूरे दो साल और बीत चुके हैं। मैं अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हूँ, लेकिन वॉकर के सहारे अपने पैरों पर खड़ी होने का सपना अब असंभव नहीं लगता, यह एक प्राप्त किया जा सकने वाला लक्ष्य बन चुका है। दीपक रोज़ रात मेरी पीठ पर मालिश करते हुए कहते हैं,जिस दिन तुम बिना सहारे अपने पैरों पर चलोगी, रीना, वह दिन मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा पुरस्कार होगा। उस दिन मैं तुम्हें अपने हाथों से तुम्हारा पसंदीदा गुलाब जामुन खिलाऊँगा।

मैं अब समझ चुकी हूँ कि शरीर का चलना-फिरना जीवन नहीं होता; जीवन तो वह है जो आत्मा के भीतर एक शाश्वत लौ की तरह जलता रहे। दीपक ने प्रेम और विश्वास का वह दीपक मेरे भीतर जला दिया है जो किसी भी तूफान से नहीं बुझ सकता।

आज जब आईने में खुद को देखती हूँ तो मुझे वह लज्जा और मर्यादा की बेड़ियों में बंधी रीना नहीं दिखती जो हादसे से पहले थी। अब मैं वो स्त्री हूँ जिसने अपने पति के निस्वार्थ प्रेम में आत्मबल और नई पहचान पाई है। मैं अक्सर दीपक से कहती हूँ,तुमने मुझे फिर से जीवन दिया। वह हमेशा मुस्कुराकर जवाब देते,नहीं रीना, मैंने सिर्फ तुम्हारा हाथ थामने का साहस किया था, चलना तो तुमने खुद सीखा है। और हाँ, अगर हम सच्चे जीवन साथी हैं, तो हमें एक-दूसरे को सहारे के लिए धन्यवाद नहीं देना चाहिए।

उनका यह जवाब मुझे बार-बार एहसास कराता है कि हमारी यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि प्रेम के एक नए अध्याय की बस शुरुआत हुई है, जहाँ हम दोनों एक-दूसरे के लिए प्रेम और आत्म-सम्मान की नींव हैं।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

संघे शक्ति

कुछ घटनाएँ ऐसी घटती हैं जो नेत्रों को खारी बूँदों से भर देती हैं। उस सुबह भी कुछ ऐसा ही हुआ। कलेवर में छोटी पर प्रभाव में बड़ी घटना का साक्षी बना।

प्रात:कालीन भ्रमण से लौट रहा था। बस स्टॉप के पास वाले फुटपाथ पर एक पेड़ के नीचे दो-तीन वर्ष से एक फ़कीर का बसेरा है। फुटपाथ के एक ओर पार्क की दीवार है, दूसरी ओर सड़क और सड़क के उस पार चाय की छोटी-सी गुमटी। आते-जाते लोगों से फ़कीर की कभी चाय की मांग हो तो केवल पैसे देकर काम नहीं चलता। सड़क पार से एक प्याला चाय लाकर देना पड़ता है। शायद पैरों से लाचार से हैं यह वृद्ध क्योंकि उन्हें कभी चलते नहीं देखा।

सहसा दृष्टि पड़ी कि वृद्ध को घेरकर पास के उर्दू माध्यम के विद्यालय में पढ़नेवाली आठ-दस छात्राएँ खड़ी हैं। सिर पर स्कार्फ बाँधे, छठी-सातवीं में पढ़नेवाली बच्चियाँ। उत्सुकता के शमन के लिए अवलोकन किया तो नेत्र सजल हो उठे। भिक्षुक को पीने के लिए पानी चाहिए था और हर बच्ची अपनी वॉटर बॉटल में से थोड़ा-थोड़ा पानी फ़कीर के जलपात्र में डाल रही थी। अद्भुत, अलौकिक दृश्य! देखता ही रह गया मैं!

इच्छा हुई दौड़कर जाऊँ और इनके माथे पर हाथ रखकर कहूँ, वेल डन बेटियो! सबाब का काम किया। फिर लगा इस कच्ची उम्र को पाप-पुण्य के जटिल समीकरण से मुक्त ही रहने दूँ, रहने दूँ इन्हें सहज। सहजता जो जानती है कि प्यास है तो पानी की व्यवस्था करनी चाहिए।

फ़कीर की पानी की ज़रूरत पूरी करने के लिए एक साथ बढ़े इन नन्हे हाथों ने एक बात और सिखाई कि प्रयास सामूहिक हों तो पानी का पात्र ही नहीं, सूखी नदियाँ और रूठी बावड़ियाँ भी भरी जा सकती हैं।

बोध कथा

एक टोकरी-भर मिट्टी

ऐ किसी शीमान ज़मींदार के महल के पास एक ग़रीब अनाथ विधवा की झोंपड़ी थी। ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई, विधवा से बहुतेरा कहा कि अपनी झोंपड़ी हटा ले, पर वह तो कई ज़माने से वहीं बसी थी; उसका प्रिय पति और इकलौता पुत्र भी उसी झोंपड़ी में मर गया था। पतोहू भी एक पाँच बरस की कन्याउ को छोड़कर चल बसी थी। अब यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी। जब उसे अपनी पूर्वस्थिति की याद आ जाती तो मारे दु:ख के फूट-फूट कर रोने लगती थी और जबसे उसने अपने शीमान पड़ोसी की इच्छा का हाल सुना, तबसे वह मृतप्राय हो गई थी। उस झोंपड़ी में उसका मन लग गया था कि बिना मरे वहाँ से वह निकलना नहीं चाहती थी। शीमान के सब प्रयत्न निष्फनल हुए, तब वे अपनी ज़मींदारी चाल चलने लगे। बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्हों ने अदालत से झोंपड़ी पर अपना क़ब्ज़ान करा लिया और विधवा को वहाँ से निकाल दिया। बिचारी अनाथ तो थी ही, पास-पड़ोस में कहीं जाकर रहने लगी।

एक दिन शीमान उस झोंपड़ी के आसपास टहल रहे थे और लोगों को काम बतला रहे थे कि वह विधवा हाथ में एक टोकरी लेकर वहाँ पहुँची। शीमान ने उसको देखते ही अपने नौकरों से कहा कि इसे यहाँ से हटा दो। पर वह गिड़गिड़ाकर बोली, ''महाराज, अब तो यह झोंपड़ी तुम्हावरी ही हो गई है। मैं उसे लेने नहीं आई हूँ। महाराज क्षमा करें तो एक विनती है।'' ज़मींदार साहब के सिर हिलाने पर उसने कहा, ''जब से यह झोंपड़ी छूटी है, तब से मेरी पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया है। मैंने बहुत कुछ समझाया पर वह एक नहीं मानती। यही कहा करती है कि अपने घर चल। वहीं रोटी खाऊँगी। अब मैंने यह सोचा कि इस झोंपड़ी में से एक टोकरी-भर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी। इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी। महाराज कृपा करके आज्ञा दीजिए तो इस टोकरी में मिट्टी ले आऊँ!'' शीमान ने आज्ञा दे दी।

विधवा झोंपड़ी के भीतर गई। वहाँ जाते ही उसे पुरानी बातों का स्मिरण हुआ और उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी। अपने आंतरिक दु:ख को किसी तरह सँभाल कर उसने अपनी टोकरी मिट्टी से भर ली और हाथ से उठाकर बाहर ले आई। फिर हाथ जोड़कर शीमान से प्रार्थना करने लगी, ''महाराज, कृपा करके इस टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए जिससे कि मैं उसे अपने सिर पर धर लूँ।'' ज़मींदार साहब पहले तो बहुत नाराज़ हुए। पर जब वह बार-बार हाथ जोड़ने लगी और पैरों पर गिरने लगी तो उनके मन में कुछ दया आ गई। किसी नौकर से न कहकर आप ही स्वपयं टोकरी उठाने आगे बढ़े। ज्यों ही टोकरी को हाथ लगाकर ऊपर उठाने लगे त्योंआही देखा कि यह काम उनकी शक्ति के बाहर है। फिर तो उन्होंने अपनी सब ताक़त लगाकर टोकरी को उठाना चाहा, पर जिस स्था न पर टोकरी रखी थी, वहाँ से वह एक हाथ भी ऊँची न हुई। वह लज्जित होकर कहने लगे, ''नहीं, यह टोकरी हमसे न उठाई जाएगी।''

यह सुनकर विधवा ने कहा, ''महाराज, नाराज़ न हों, आपसे एक टोकरी-भर मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोंपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है। उसका भार आप जन्मस-भर क्योंओकर उठा सकेंगे? आप ही इस बात पर विचार कीजिए।

ज़मींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे पर विधवा के उपर्युक्तर वचन सुनते ही उनकी आँखें खुल गईं। कृतकर्म का पश्चात्ताप कर उन्होंएने विधवा से क्षमा माँगी और उसकी झोंपड़ी वापिस दे दी।

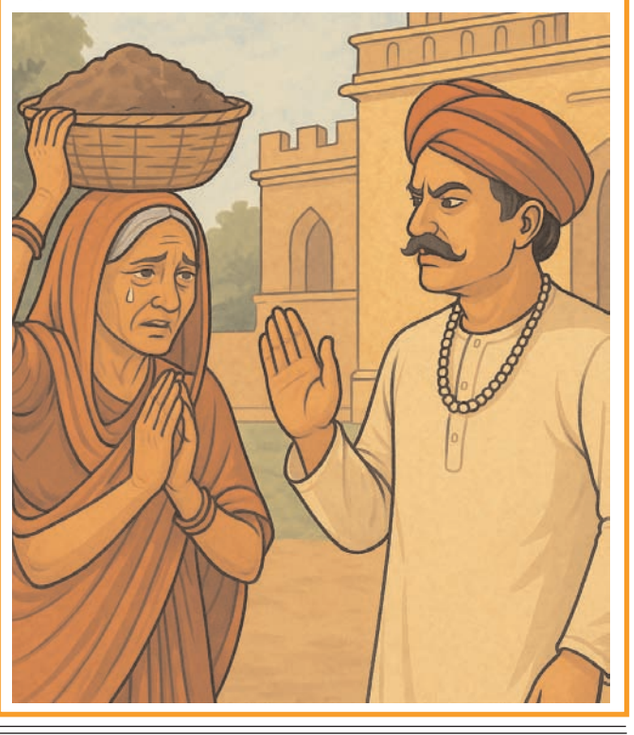

वीर गाथा

मेजर सचिन नेगी: पुलवामा का शेर, जिसके पराक्रम से हुए कई आतंकवादी ढेर

मेजर सचिन नेगी का जन्म उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल के झटकंडी पट्टी में हुआ था। माता भागेश्वरी देवी और पिता भूपेंद्र सिंह नेगी के बेटे सचिन ने विभिन्न सैन्य अभियानों में वीरता का प्रदर्शन कर एक दर्जन से ज्यादा आतंकवादियों का खात्मा करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

सचिन को भारतीय सेना में अधिकारी बनने के बाद ग्रेनेडियर्स में तैनात किया गया था। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 55वीं बटालियन में भेज दिया गया था। एक नवंबर, 2022 को खुफिया सूत्रों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के एक गांव में मोबाइल वाहन चेक पोस्ट की स्थापना की गई थी।

जब आतंकवादियों ने चेक पोस्ट को देखा तो वे बुरी तरह घबरा गए थे। उन्होंने चुनौती दिए जाने पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी थी। जब जवानों ने जवाबी गोलीबारी की तो आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंके थे।

उस समय सचिन नेगी ने सूझबूझ दिखाई। उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी के जरिए दबाव बनाए रखने का आदेश दिया। साथ ही, उन रास्तों को तुरंत बंद करवा दिया, जिनका इस्तेमाल कर वे फरार हो सकते थे।

सचिन नेगी ने आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए एक योजना बनाई। वे रेंगते हुए उनके करीब पहुंच गए। अचानक आतंकवादी भागते हुए आए और उनका सामना सचिन से हो गया। मेजर अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए आतंकवादियों से भिड़ गए थे। उन्होंने एक आतंकवादी को वहीं ढेर कर दिया था। इसके बाद दूसरे आतंकवादी को बुरी तरह घायल कर दिया था।

इस अद्भुत पराक्रम और उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए मेजर सचिन नेगी को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कनाडा के साथ एफटीए वार्ता दोबारा शुरू करने पर सभी विकल्प खुले : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने के संबंध में सभी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। वाणिज्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है और दोनों ही द्विपक्षीय सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

गोयल ने यहां कहा, ''सभी संभावनाएं खुली हैं। हमने अब तक दो दौर की चर्चा की है। हम दिल्ली में एक उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए मिले थे। हमने द्विपक्षीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की।'' कनाडा के मंत्री सिद्धू विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए थे। गोयल ने इस शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सुधारों को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने को तैयार है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सुधारों का स्वरूप विकासशील और अल्पविकसित देशों के परामर्श से तैयार किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि पूरी कवायद कुछ उन्नत देशों के एजेंडे के बजाय वैश्विक कल्याण के लिए हों। गोयल ने कहा कि दुनिया भारत की ताकत और नेतृत्व को पहचानती है और देश एक जिम्मेदार वैश्विक राष्ट्र है तथा यह ग्लोबल साउथ की आवाज बना रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम (विश्व व्यापार संगठन में) सुधारों का नेतृत्व करना चाहेंगे। लेकिन ये सुधार अन्य विकासशील और कम विकसित देशों के परामर्श से किए जाएंगे, ताकि हम वास्तव केवल कुछ विकसित देशों के एजेंडे के लिए काम ना करके विश्व के कल्याण के लिए काम कर सकें।''

फ्रांस में संयुक्त अभ्यास में भाग लेंगे भारतीय वायुसेना का सु-30एमकेआई लड़ाकू विमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायुसेना के सु-30एमकेआई विमान 16 से 27 नवंबर तक फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों के साथ संयुक्त अभ्यास में भाग लेंगे। अधिकारियों ने शनिवार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'गरुड़ 25' नामक यह अभ्यास फ्रांस के मॉन्ट-डे-मार्सन में आयोजित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय वायु सेना इस द्विपक्षीय अभ्यास के आठवें संस्करण में फ्रेंच एयर और स्पेस फोर्स (एफएएसएफ) के साथ भाग ले रही है। मंत्रालय के अनुसार वायुसेना का दल 10 नवंबर को फ्रांस पहुंच चुका है और इस अभ्यास में सु-30एमकेआई लड़ाकू विमान के साथ भाग लेगा।

AIRBUS

एशिया प्रशांत क्षेत्र को 20 वर्षों में 19,560 नए विमानों की जरूरत होगी : एयरबस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/भाषा। विमान विनिर्माता कंपनी एयरबस ने शनिवार को कहा कि अगले 20 वर्षों में एशिया प्रशांत क्षेत्र को 19,560 नए विमानों की जरूरत होगी, जो मुख्य रूप से भारत और चीन की मांग से प्रेरित है। एयरबस ने कहा कि यह मांग 20 वर्षों में 42,520 नए विमानों की वैश्विक आवश्यकता का 46 प्रतिशत है। एयरबस एशिया प्रशांत के अध्यक्ष आनंद स्टेनली ने यहां कहा कि इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा भारत और चीन से आएगा।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 4.4 प्रतिशत की वार्षिक यात्री वृद्धि की उम्मीद

विमान यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 4.4 प्रतिशत की वार्षिक यात्री वृद्धि की उम्मीद है, जो वैश्विक औसत 3.6 प्रतिशत से अधिक होगा। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में शामिल है, और मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइनों ने अपने बेड़े का विस्तार करते हुए काफी बड़े ऑर्डर दिए हैं।

20 वर्षों में इस क्षेत्र में लगभग 3,500 बड़े आकार के विमानों की होगी जरूरत

बैंकॉक में एसोसिएशन ऑफ एशिया-पैसिफिक एयरलाइंस (एएपीए) के अध्यक्षों की वार्षिक सभा के दौरान एयरबस ने कहा कि अगले 20 वर्षों में इस क्षेत्र में लगभग 3,500 बड़े आकार के विमानों की जरूरत होगी। यह बड़े आकार के विमान श्रेणियों में वैश्विक मांग का 43 प्रतिशत है।

पूर्वानुमान के अनुसार एशिया प्रशांत क्षेत्र को लगभग 16,100 छोटे विमानों की आवश्यकता होगी, जो इस श्रेणी में वैश्विक मांग का 47 प्रतिशत है। इसमें यह भी बताया गया कि लगभग 68 प्रतिशत विमानों की आपूर्ति बेड़े के विस्तार के लिए होगी, जबकि 32 प्रतिशत पुराने विमानों की जगह लेंगे।

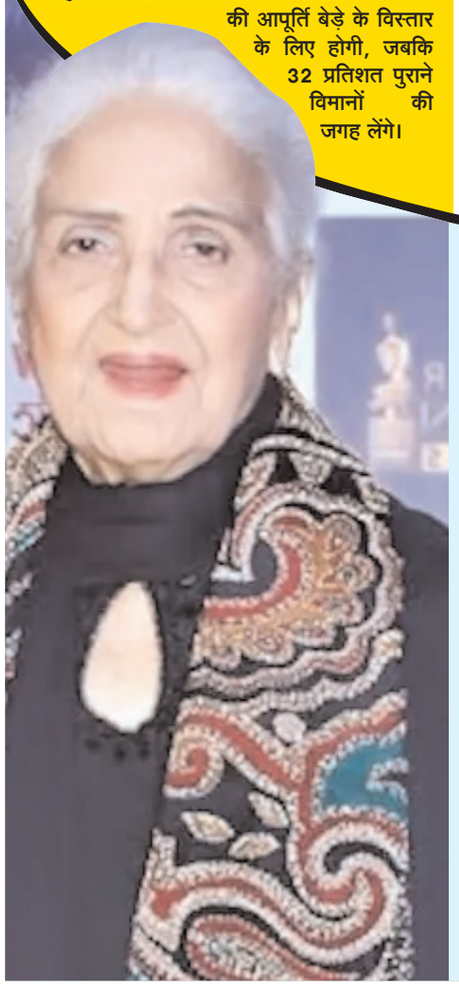

50 लाख रुपये से पुरस्कृत किया एमसीए ने मंधाना को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने शनिवार को भारतीय टीम की उप-कप्तान और कलात्मक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम को विश्व चैंपियन बनाने के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया। मंधाना ने विश्व कप में 54.25 की प्रभावशाली औसत से 434 रन बनाये थे। वह सबसे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थी। मंधाना ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, मैंने महाराष्ट्र के लिए आयु-वर्ग क्रिकेट खेलकर अपनी क्रिकेट यात्रा शुरू की और अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।

उन्होंने कहा, हमारी विश्व कप जीत टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम था। मैं इस सम्मान के लिए एमसीए अध्यक्ष रोहित पवार और सभी पदाधिकारियों का आभारी हूं। भारतीय उपकप्तान ने कहा, एमसीए महिला क्रिकेटरों के लिए असाधारण काम कर रहा है और हाल ही में शुरू हुई महाराष्ट्र महिला प्रीमियर लीग और उसके बाद सीनियर महिला टी 20 ट्रॉफी में राज्य टीम की जीत इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लीग चरण में न्यूजीलैंड के खिलाफ मंधाना की मैच विजयी 109 रन की पारी टूर्नामेंट के निर्णायक क्षणों में से एक रही। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान दो अर्धशतक भी लगाए।

पवार ने कहा, ''पूरे देश को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की असाधारण उपलब्धि पर बेहद गर्व है। मंधाना की निरंतरता, दृढ़ संकल्प और मैच जिताऊ प्रदर्शन ने विश्व कप जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमें उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 50 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित करते हुए खुशी हो रही है। वह लगातार नए मानक स्थापित कर रही हैं और निस्संदेह युवा क्रिकेटरों की पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी।''

विश्व कप के बाद की जिंदगी पर हरमनप्रीत ने कहा, आखिरी गेंद कम से कम 1000 बार देखी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यह एक ऐसा पल है जिसने उनकी ज़िंदगी और भारतीय महिला क्रिकेट की दिशा को बदल दिया और इसलिए इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है कि हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप फ़ाइनल में नादिन डी क्लार्क का यादगार कैच अब तक कम से कम 1000 बार देखा है। कप्तान के इस कैच ने भारत को दक्षिण अफ़्रीकी महिला टीम पर 52 रन से जीत दिलाकर ऐतिहासिक पहली विश्व कप ट्रॉफी दिलाई। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने यहां पीटीआई मुख्यालय के दौरे के दौरान विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। मैंने वह आखिरी गेंद कम से कम एक हजार बार देखी है। सिर्फ मैं ही नहीं, हमारी टीम भी कई वर्षों से इस पल का इंतजार कर रही थी। मुझे लगता है कि मैं उस पल को बार-बार जीना चाहती हूं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे सच में नहीं पता कि आखिरी कैच लेते समय मैं क्या सोच रही थी। इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं हमेशा से विश्व कप जीतने का सपना देखती थी और आखिरकार हमने वह कर दिखाया। अब दो सप्ताह हो गए हैं और यह बहुत ही खास एहसास है और इसे बयां करना मुश्किल है।''

भारतीय टीम ने वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद विश्व कप जीता। इसके बाद हरमनप्रीत एक लंबे ब्रेक की हक़दार थीं। लेकिन मैदान के बाहर उनका कार्यक्रम पहले से कहीं ज़्यादा व्यस्त रहा है और फ़ाइनल में विजयी कैच लेने के बाद से उन्हें घर वापस जाने का भी समय नहीं मिला है।

अभियान में उतार-चढ़ाव भरे रहे और शायद सबसे बड़ी चुनौती लीग चरण में टीम को मिली लगातार तीन हार थी, जिसके कारण सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। हरमनप्रीत ने आपत्तिजनक ऑनलाइन टिप्पणियों को हल्के में लेते हुए कहा कि कठोर आलोचना से पता चलता है कि उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद की जा रही थी।

उन्होंने कहा, हमने सभी आलोचनाओं को सकारात्मक रूप से लिया। लोग हमारी आलोचना इसलिए कर रहे थे क्योंकि हम अच्छा खेल सकते थे। प्रशंसक हमसे बहुत उम्मीदें लगाए हुए थे। हमारी एक बैठक में मुख्य कोच (अमोल मजूमदार) ने हमसे बात की। उन्होंने कहा, 'हम इससे बेहतर हैं'।

भारतीय कप्तान ने कहा, ''अगर लोग हमें ट्रोल कर रहे थे, तो इसकी वजह ये थी कि हम उस स्तर पर क्रिकेट नहीं खेल रहे थे जो हम खेल सकते थे। हम इससे बेहतर कर सकते थे। मुंबई पहुंचने के बाद हमारी एक और बैठक हुई। हमारे पास तब एक ही रास्ता बचा था प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना।'' उन्होंने कहा, ''यह आलोचकों को गलत साबित करने के लिए नहीं था, बल्कि हमें यह भी लग रहा था कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं और हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है।''

करीना कपूर, कियारा आडवाणी और अन्य ने कामिनी कौशल के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। करीना कपूर खान और कियारा आडवाणी सहित कई मशहूर हस्तियों ने हिंदी सिनेमा की शुरुआती महिला सितारों में से एक दिवंगत अभिनेत्री कामिनी कौशल को याद किया।

कौशल का बृहस्पतिवार रात मुंबई स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 98 वर्ष की थीं। उन्होंने 1946 में नीचा नगर फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी और 1940 के दशक के अंत और 1950 के दशक की शुरुआत में वह फिल्म जगत की सबसे अधिक कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। वह आखिरी बार आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आयी थीं।

वर्ष 2019 में आई फिल्म कबीर सिंह में दिवंगत अभिनेत्री के साथ काम करने वाली आडवाणी ने कहा कि उनके साथ काम करना सम्मान की बात थी।

आडवाणी ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, आपके साथ काम करना सम्मान की बात थी। आपकी शालीनता, विनम्रता और प्रतिभा ने पीढ़ियों को प्रेरित किया और भारतीय सिनेमा पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

शाहिद कपूर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी साझा की, जिसमें कौशल की पुरानी और हाल की तस्वीरों का संग्रह था और लिखा, आपकी आत्मा को शांति मिलें।

करीना कपूर खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिवंगत अभिनेत्री की एक तस्वीर साझा की। अनुपम खेर ने 'एक्स' पर एक भावुक पोस्ट में दिवंगत अभिनेत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें एक शानदार कलाकार और एक खूबसूरत इंसान बताया।

उनकी पोस्ट में लिखा था, कामिनी कौशल जी न केवल एक शानदार कलाकार थीं, बल्कि एक खूबसूरत इंसान भी थीं। जब भी मैं उनसे मिलता, वह हमेशा मुस्कुराहट और प्यार से मेरा स्वागत करतीं और हमेशा अच्छी सलाह देतीं। भारतीय सिनेमा के इतिहास में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा! ओम शांति!

राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर आई नन्ही परी, गूंजी किलकारी

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर में उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर नन्ही परी का आगमन हुआ। दोनों ने अपनी पहली संतान (बेटी) का स्वागत किया है। अभिनेता राजकुमार (41) और पत्रलेखा (35) ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए यह खुशखबरी दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, हम खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। ईश्वर ने हमें एक बेटी का आशीर्वाद दिया है। धन्य माता-पिता- पत्रलेखा और राजकुमार। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ईश्वर ने हमें हमारी शादी की चौथी सालगिरह पर सबसे बड़ा आशीर्वाद दिया है। यह खुशखबरी साझा करने के बाद विक्की कौशल, सोनम कपूर आहूजा, दीया मिर्जा समेत अन्य फिल्मी हस्तियों ने राजकुमार और पत्रलेखा को बधाई दी।

राजकुमार और पत्रलेखा ने 15 नवंबर 2021 को न्यू चंडीगढ़ के 'द ओबेरॉय सुखविलास रिजॉर्ट' में शादी की थी। दंपति ने जुलाई में सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर गर्भावस्था की खबर साझा की थी। पत्रलेखा पिछली बार अप्रैल में रिलीज हुई फिल्म फुले में प्रतीक गांधी के साथ सावित्रीबाई फुले की भूमिका में दिखाई दी थीं। वहीं, राजकुमार राव की हालिया फिल्मों में भूल चूक माफ और मालिक शामिल हैं। इसके अलावा, वह नेटफ्लिक्स सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में भी नजर आए थे।

धर्म साधना, परोपकार के कार्यों में प्रवृत्त बन मानव जीवन को सफल बनाएं : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बुल टेंपल रोड़ स्थित आनंदा अपार्टमेंट में विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने शनिवार को प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति को प्राप्त समय का सदुपयोग धर्म आराधना और जप तप साधना के साथ, परोपकार के कार्यों में करते हुए पूर्व पुण्यवानी से प्राप्त इस अनमोल मानव जीवन को सफल सार्थक बनाना चाहिए । उन्होंने द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव रूपी इन चार संसार पर चर्चा करते हुए कहा कि जो हर समय गतिमान रहता है, निरंतर चलते रहने के साथ जहां पर कुछ भी स्थिर नहीं है वह संसार है। मुनिश्री ने कहा कि पहले के लोग सीमित संसाधनों और उनका ही आवश्यकतानुसार उपयोग करते हुए अपनी संतोष वृत्ति के कारण आज की अपेक्षा अपने को ज्यादा सुखी, सुरक्षित महसूस करते थे। वे आराम से अपनी ज़िंदगी, गुजर बसर करते हुए सभी एक छत के नीचे भी खुशहाल जीवन जीते थे। लेकिन आज का मानव असीमित संसाधनों की प्रचुरता और उनको प्राप्त करके भी सर्वाधिक अशांत और दुखी नजर आता है।

संतश्री ने कहा कि कह सकते हैं कि डिमांड ज्यादा और सप्लाई कम हो यह जैसे वस्तु के महंगा होने का कारण बनता है। वहीं यह व्यक्ति के जीवन में घटित करें तो इच्छाओं, लालसाओं के बढ़ने में और उनकी पूर्ति नहीं होने पर जीव दुःखी हो जाता है और डिमांड कम और सप्लाई ज्यादा से जहां वस्तु का मुल्य भी कम हो जाता है। वैसे ही अपनी आवश्यकताओं, इच्छाओं पर नियंत्रण, कमी करने पर इंसान ज्यादा सुखी, खुश महसूस करता है। उन्होंने छह आरों पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि पहले तीन आरो में सुख ज्यादा होता है।आवश्यकतानुसार कल्प वृक्ष के माध्यम से ही उसकी सब चीजों की पूर्ति हो जाती थी। फिर क्रमशः चौथे, पांचवें, छठे आरे में सुख कम और दुःख का क्रम बढ़ता चला जाता है। उन्होंने कहा कि क्रिया के साथ भावों की विशुद्धि का ही महत्व है। जीवन में अशुभ भावों को डिलीट कर शुभ भावों में प्रर्वति करने पर ही जीव की गति सुधर सकती है। जीवन में अनावश्यक पाप कर्मों से बचें और अपनी शक्ति सामर्थ्य के साथ दान, सेवा परोपकार आदि के कार्य करते हुए व्यक्ति अपना लोक और परलोक सुधार सकता है।

मुनिश्री ने यहां के पालरेचा परिवार की भी गुरु भक्ति, धर्म भावना, सेवा, समर्पण भावना की सराहना करते हुए साधुवाद दिया।

प्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी ने वेल एजुकेटेड, वेल रिपोर्टेड, वेल सपोर्टेड और चौथे वेल डिवोटेड के माध्यम से सुखी जीवन जीने के इन चार सूत्रों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा वही है जो अपने से बड़ों के प्रति आदर सम्मान, विनय की भावना जगाए। हमेशा अच्छी बातों को फारवर्ड करें। जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ गुण ग्रहण का भाव रखें। सबके प्रति सहयोग मदद का भाव और अपने देव, गुरु, धर्म के प्रति पूर्ण आस्था श्रद्धा और समर्पण का भाव रखें तो व्यक्ति का जीवन सुखी बन सकता है। इस अवसर पर बाबुलाल कांतिलाल पालरेचा परिवार ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर बसवनगुड़ी विमल नाथ मंदिर के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने संतों को विमलनाथ मंदिर में पधारने का निवेदन किया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर समिति के महामंत्री महावीरचन्द मेहता ने संचालन किया। कार्यक्रम का संचालन शालिभद्र मुनिजी ने किया।

सत्संग और साधना से होती है मन की शुद्धि : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजाजीनगर जैन स्थानक में विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि धर्म स्थान का वास्तविक भाव यह है कि मन में धर्म का निवास हो। धन, विद्या, संपत्ति, रूप और पदवी इन सब से बढ़कर धर्म श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि क्षमा और सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता। मुनिश्री ने कहा कि धर्म भवन को भोजनशाला का रूप नहीं देना चाहिए, बल्कि उसे साधना और शुभ चिंतन का केंद्र बनाना चाहिए। मुनि श्री ने समझाते हुए कहा कि सत्संग और साधना से मन की शुद्धि होती है। धर्म केवल धर्म-स्थानों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यक है। यदि मनुष्य सत्संग में समय लगाए तो उसका जीवन कल्याणमय बन जाता है; परंतु यदि जीवन विषय-विकारों, मौज-मस्ती और कुसंगति में व्यतीत हो, तो वह जीवन व्यर्थ माना जाता है।

वरुणमुनिने कहा कि जवानी, धन और समय, इन तीनों का सही उपयोग जीवन को सफल बनाता है। जैसे वॉशिंग मशीन कपड़ों को स्वच्छ करती है, वैसे ही सत्संग जीवन को पवित्र बनाता है। मुनि श्री ने कहा कि यदि दुखों से मुक्ति चाहिए, तो धर्म की शरण में आना होगा, क्योंकि धर्म आत्मा की वस्तु है। जब तक हृदय में धर्म का उदय नहीं होता, तब तक कल्याण संभव नहीं। दान करते समय कामना नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि कामना रखने से दान का फल घट जाता है। उन्होंने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में धर्म को अपनाने के बजाय उसका दिखावा अधिक किया जा रहा है। धर्म पगड़ी के समान है और धन जूतों के समान; किंतु आज मनुष्य ने उल्टा कर दिया है – धन को सिर पर बैठा लिया है और धर्म को तुच्छ समझ लिया है। यदि सच्चे मन से धर्म का पालन किया जाए, तो आत्मा का कल्याण अवश्य होता है। सभा के दौरान मधुर वक्ता मुनिरत्न श्री रूपेश मुनि जी महाराज ने एक अत्यंत भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किया, जिससे संपूर्ण सभा भक्ति रस में सराबोर हो उठी। अंत में, उपप्रवर्तक परम पूज्य श्री पंकज मुनि जी महाराज ने मंगल पाठ के साथ धर्मसभा का समापन किया।

होसूर रोड स्थित सुमतिनाथ जैन मंदिर में हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित सुमतिनाथ जैन मंदिर में शनिवार को 18वां ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शांतिनगर जैन मंदिर से बस द्वारा मंदिर निर्माता व ध्वजारोहण लाभार्थी मलबरी सिल्क्स के राजेन्द्रकुमार त्रिलोककुमार बोथरा परिवार व अन्य श्रद्धालु सुमतिनाथ जैन मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर मंदिर प्रांगण में 18 अभिषेक विधान व सत्तरभेदी पूजा की। तुषारगुरु ने विधि विधान करवाया तथा ध्वजा पूजा की।

पूजा के बाद परिवार के प्रतिनिधियों ने मंदिर के शिखर पर मंत्रोंच्चार के साथ ध्वजारोहण किया।

तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा 'वॉयस, विज़न और वैल्यू' विषयक सत्र आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में कन्या मंडल द्वारा युवा वर्ग के लिए प्रेरणादायी सत्र वॉयस, विज़न एंड वैल्यू-फाइंडिंग योर प्लेस इन द वर्ल्ड' विषय पर आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता हिम्मत मंडोत ने सही चुनाव, दृढ़ निश्चय और इच्छाशक्ति के बल पर इतिहास रचने वाले अनेक व्यक्तियों की प्रेरक कहानियाँ साझा कीं। उन्होंने आज के समय में जीपीटी' का नया अर्थ बताते हुए कहा कि जी का मतलब ग्रेटिट्यूट या कृतज्ञता, पी का मतलब पेसेन्टली लिशन या धैर्यपूर्वक सुनना और टी का मतलब टू थींक या सोचने की क्षमता। ये तीन गुण युवाओं के व्यक्तित्व को दिशा देते हैं।

इस मौके पर उपस्थित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष पवन मांडोत ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में किशोर मंडल, राजाजीनगर कन्या मंडल तथा महिला मंडल की अध्यक्षा महिमा पटावरी, सुमित्रा बरड़िया ,कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली सहित अनेक लोग उपस्थित थे। मुख्य वक्ता का सम्मान महिला मंडल की अध्यक्ष महिमा पटावरी व कन्या मंडल की प्रभारी खुशी कोठारी ने किया। संयोजिका खुशी मांडोत के सभी का स्वागत किया व धन्यवाद दिया। तन्वी मांडोत ने संचालन किया।

सहकारिता सप्ताह पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलूर। यहां ऑफिसर्स रोड स्थित केंद्रीय सहकारी बैंक परिसर में शनिवार को 72वें अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। दलपत सिंह भायल ने बताया कि शिविर में डा. अग्रवाल नेत्र अस्पताल की चिकित्सक टीम ने 125 से अधिक लोगों की नेत्र जांच कर उचित दवाइयां एवं चश्मे प्रदान किए। इस पहल से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सहकारी बैंक के अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने शिविर के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया।

प्रत्येक साधक पूर्ण सक्रियता से आत्मविकास का पुरुषार्थ करे : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

आचार्यश्री का 44वां दीक्षा दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित सीमंधर शांतिसूरी जैन संघ के प्रांगण में प्रवचन के दौरान आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि समझदार और विवेकी साधक वही कहलाता है जो मिली हुई सामग्री और शक्तियों का उपयोग अपनी आत्मा के विकास के लिए करे। शरीर की देखभाल, इन्द्रियों की मांगें और मन की इच्छाओं को पूरी करने में ही अधिकांश लोग अपना समय और शक्तियाँ गंवा देते हैं।

अंततः आत्मा को लक्ष्य में रखकर कुछ नहीं किया जाता। नतीजन दुर्लभ मनुष्य जीवन व्यर्थ चला जाता है। प्रत्येक साधक को चाहिए कि कुछ समय वह अपनी आत्मा, उसके भविष्य के बारे में गहराई से चिंतन करे। वह बाहरी दुनिया की भागदौड़ से निकलकर भीतरी दुनिया के बारे में सोचेगा तभी वह आत्मा के सुख को पहचान पाएगा, क्योंकि जब तक सच्चा सुख मालूम ही नहीं होगा तो उसे पाने के लिए साधना शुरु कैसे हो सकती है, अतः यह ज़रूरी है कि प्रत्येक साधक पूर्ण सक्रियता से आत्म विकास का पुरुषार्थ करे।

उन्होंने कहा कि बचपन से ही माता पिता द्वारा धर्म के संस्कार, प्रेरणा और संयम जीवन का प्रोत्साहन मिलता रहा जो उनके पुरुषार्थ में सहयोगी बना। बेंगलूरु के ही चिकपेट मंदिर और धार्मिक पाठशाला में की गई आराधना एवं अध्ययन ने उनके आध्यात्मिक जीवन की नींव डाली। अंत में उन्होंने संघ संचालकों को भी धर्म आराधना के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने से होने वाले लाभ पर प्रकाश डालते हुए हमेशा संघ की सेवा में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।

आचार्यश्री के 44 वें दीक्षा दिवस पर आयोजित संयम सत्कार समारोह में संघ के मीठालाल पावेचा ने संचालन करते हुए 43 वर्ष पूर्व शहर के लालबाग स्थित ग्लास हाऊस में हुई दीक्षा के संस्मरणों को ताज़ा किया और संघ की ओर से आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए दीक्षा दिवस की मंगलकामना दी। कल्याण मित्र परिवार की ओर से निष्क्रित कंकुलोल ने आचार्यश्री की सरलता, विद्वत्ता, निःस्पृहता आदि गुणों से युक्त व्यक्तित्व का परिचय दिया। संघ श्राविकाओं ने गहुँली और गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर गादिया परिवार द्वारा वीवी पुरम में निर्मित पद्मप्रभस्वामी गृह जिनालय की प्रतिष्ठा की आमंत्रण पत्रिका लिखी गई। संघ द्वारा आगामी पर्व मौन एकादशी और पोष दशमी की आराधना हेतु आचार्यश्री से निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया, जिस पर आचार्य ने स्वीकृति प्रदान की।

ईशा अनुज सिंघल का मंच प्रवेश कार्यक्रम आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अग्रणी उद्यमी विनोद कुमार सिंघल की पौत्री ईशा अनुज सिंघल का लय और भक्ति के पावन संगम पर नई यात्रा प्रारंभ हो रही है। ईशा द्वारा भगवान जगन्नाथ की दिव्य कृपा से प्रथम ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति मंच प्रवेश' सोमवार को शाम 5 बजे से जयनगर चौथे ब्लॉक स्थित युवक संघ सभागार में आयोजित किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि ईशा की गुरु सरिता मिश्रा ने न केवल उनकी तकनीक को आकार दिया, बल्कि लय, अभिव्यक्ति और भक्ति की उनकी समझ को भी आकार दिया। नाट्यशास्त्र में 'मंचप्रवेश' को मंच पर प्रवेश के रूप में वर्णित किया गया है, जहां कलाकार स्वयं के लिए नहीं, बल्कि कला और भेंट के साधन के रूप में कदम रखता है।

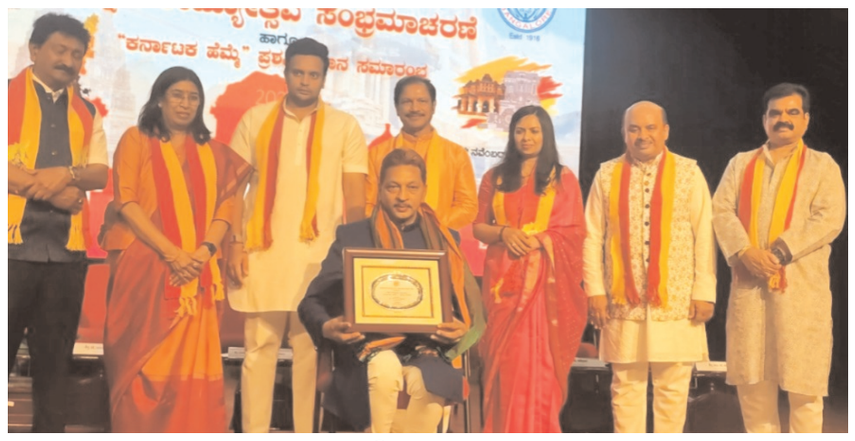

एफकेसीसीआई ने महेन्द्र मुणोत को कर्नाटक हेम्मे पुरस्कार से सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने शुक्रवार को केजी रोड स्थित विश्वेश्वरैया हॉल में कन्नड़ राज्योत्सव समारोह का आयोजन किया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वालों को कर्नाटक हेम्मे पुरस्कार प्रदान किया गया। एफकेसीसीआई की अध्यक्ष उमारेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मैसूरु महाराजा और मैसूरु कोडगु के लोकसभा क्षेत्र के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडेयार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख व गोसेवक महेंद्र मुनोत को कन्नड़ सांस्कृतिक जगत में की गई सेवा के लिए 'कर्नाटक हेम्मे पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से नाडगीतों के प्रति अपने प्रेम और उसके लिए बनाए गए तीन कालखंडों के नाडगीत, सरकारी स्कूलों पर आधारित कन्नड़ फिल्म अरिवु, महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में नशे की लत को दूर करने हेतु पूरक फिल्म, 22 भाषाओं में एक गीत का निर्माण भारत को भारत कहना है' गीत और सबसे बढ़कर गौ सेवा के लिए उनको सम्मानित किया। इसके अलावा निम्हांस के निदेशक डॉ. प्रतिमामूर्ति, वरिष्ठ रंगकर्मी एवं गायक गुरुराजा होसाकोटे, आईएएस अधिकारी सोमशेखर, गायिका संगीता कट्टी, अभिनेता मोहन आदि को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राजेंद्र कुमार केवी इस आयोजन के समन्वयक थे।

प्रचार की आस से किया गया दान फलित नहीं होता : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित ताना स्ट्रीट के स्थानक में विराजित श्री विरेन्द्रमुनिजी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि अक्सर लोग क्रोधी को देखकर क्रोध करते हैं, रागी को देखकर राग का जन्म होता है और द्वेषी को देखकर द्वेष की भावना आ जाती है। यह सामान्य व्यवहार है, लेकिन आगम कहते हैं कि दुर्जन, अधर्मी और पापी पर भी क्रोध नहीं करना चाहिए। फिर भी व्यवहार में लोग पापियों पर गुस्सा कर बैठते हैं। उन्होंने कहा कि यदि धर्मात्मा को देखकर भी क्रोध आने लगे, तो यह बहुत ही गिरी हुई स्थिति होती है। उन्होंने आगे कहा कि बुरे कार्यों के लिए तो समाज सज़ा देता ही है, लेकिन यदि अच्छे कार्यों के लिए भी सज़ा मिलने लगे तो समझना चाहिए कि स्थिति बहुत गंभीर है। उन्होंने समाज और परिवार के लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई धर्म, दान और पुण्य करना चाहता है तो उसे कभी न रोकें।

मुनिश्री ने बताया कि भगवान महावीर को संगम देव ने एक ही रात्रि में 20-20 महाउपसर्ग दिए तथा 6 महीने तक लगातार उनको तरह तरह के कष्ट पहुंचाया परंतु परमात्मा महावीर उनके उपसर्ग से घबराएं नहीं और उन्होंने मन ही मन समझाया की संगम देव मेरे कर्मों को हल्का करने में मेरे कर्म मैल के कालिमा को कम करने में सहयोग कर रहा है इस तरह के विचार ही आत्मा को परमात्मा बना सकता है

मुनिश्री ने बताया,यह मानव जीवन शुभ कर्मों का शुभारंभ करने के लिए मिला है। उन्होंने चेताया कि समस्याओं को हल करने के लिए हिंसा और छल का सहारा नहीं लेना चाहिए। लोग दूसरों को धोखा दे सकते हैं, लेकिन कर्मों को धोखा देना असंभव है। इसलिए यदि कभी गलत कार्य करने जा रहे हों, तो पहले मन से पूछ लेना चाहिए कि यह सही है या गलत। मन गलत काम को कभी सही ठहराता नहीं। मुनिश्री दान का महत्व के बारे मे बताते हुए कहा कि जो प्रचार किए बगैर दान करता है उसको कई गुना पुण्य का उपार्जन करता है। यदि सही जगह पहुँचना है तो सही कार्य करते रहो। गलत कार्य से कभी सही परिणाम नहीं मिल सकता। आजकी धर्म सभा में आस पास के क्षेत्रों से अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। यह सूचना पुरुषवाक्कम संघ के पूर्व अध्यक्ष विनयचंद पावेचा ने दी।

नांदेड़ और तिरुचिरापल्ली के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए नीचे दी गई ट्रेन नंबर 07615/07616 नांदेड़ - तिरुचिरापल्ली-नांदेड़ एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है।

ट्रेन संख्या 07615 नांदेड़-तिरुचिरापल्ली एक्सप्रेस स्पेशल की सात सेवाएं 18 नवंबर से 30 दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को नांदेड़ से 15.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.00 बजे तिरुचिरापल्ली पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07616 तिरुचिरापल्ली-नांदेड़ एक्सप्रेस स्पेशल 19 नवंबर से 31 दिसंबर तक प्रत्येक बुधवार को तिरुचिरापल्ली से 21.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.00 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com